राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :268 रांची (झारखंड) गुरुवार, 10 जुलाई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

'उदयपुर फाइल्स' के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्सः कन्हैयालाल लाल टेलर मर्डर' की रिलीज के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने मोहम्मद जावेद की याचिका पर तत्काल विचार करने से इनकार किया, लेकिन उनकी ओर से पेश अधिवक्ता से कहा कि वो 14 जुलाई को (गर्मी की छुट्टियों के बाद) अदालतें फिर से सामान्य रूप से खुलने पर मामले का उल्लेख कर सकते हैं। जावेद उदयपुर के 2022 को कन्हैया लाल तेली हत्याकांड के आरोपियों में शामिल है। उसने 11 जुलाई को रिलीज के लिए तैयार इस फिल्म पर रोक लगाने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में एक रिट याचिका दायर की है। शीर्ष अदालत के जावेद की याचिका पर इनकार और 14 जुलाई को फिर उल्लेख करने की अनुमति पर उनके अधिवक्ता ने दलील दी कि तब तक वह हिंदी फिल्म रिलीज हो जाएगी और निष्पक्ष सुनवाई का उनका अधिकार प्रभावित होगा। पीठ पर उनकी इस दलील का कोई असर नहीं पड़ा और उसने तत्काल सुनवाई की

याचिका को अस्वीकार करते हुए कहा, इसे रिलीज़ होने दिया जाए। जावेद की याचिका में दावा किया गया था कि फिल्म सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ है और संबंधित हत्या मामले में चल रही न्यायिक कार्यवाही को प्रभावित कर सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से आगे तर्क दिया गया कि एक दर्जी की हत्या मामले से संबंधित घटनाओं पर आधारित बताई जा रही इस फिल्म की स्क्रीनिंग निष्पक्ष सुनवाई के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन करेगी। उन्होंने मामले की सुनवाई पूरी होने तक फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाने की मांग की। उदयपुर के एक दर्जी, कन्हैया लाल तेली की जून 2022 में कथित तौर पर मोहम्मद रियाज़ और मोहम्मद ग़ौस ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। आरोपियों द्वारा कथित तौर पर दर्ज की गई इस हत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने इस मामले की जाँच की थी। आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अपराध तय किए गए हैं। वर्तमान में जयपुर स्थित विशेष एनआईए अदालत में मुकदमा चल रहा है। जावेद की याचिका में कहा गया है, इस मोड़ पर ऐसी फिल्म रिलीज़ करना, जिसमें आरोपी को दोषी और कहानी को पूरी तरह से सच दिखाया गया है, जो चल रही कानूनी कार्यवाही को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। उनकी याचिका में आगे दावा किया गया है कि अगर फिल्म रिलीज़ होती है तो इससे निर्दोषता की धारणा को नुकसान पहुँचने की संभावना है और जनमत को इस तरह प्रभावित करने का जोखिम है।

मतदाता सूची की जांच के आदेश से राहुल और तेजस्वी की उड़ी नींद : केशव प्रसाद मौर्या

एजेंसी

चेन्नई। लखनऊ । बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट मामले में घमासान मचा हुआ है। इसी मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की जांच के संवैधानिक आदेश से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नींद उड़ गई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि 'इंडी ठगबंधन' की बिहार बंद की घोषणा से साफ है विपक्ष की बौखलाहट चरम पर है। 'चोर की दाढ़ी में तिनका' और 'चोर मचाए शोर' ये कहावतें आज पूरी तरह चरितार्थ हो गई हैं। बिहार चुनाव में ठगबंधन को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। एनडीए की जीत और इंडी ठगबंधन की हार तय है। उन्होंने आगे लिखा कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की जांच के संवैधानिक आदेश से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नींद उड़ गई है। संविधान विरोधी गतिविधियों के जरिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का अपमान किया जा रहा है, जिसे बिहार की जनता कतई सहन नहीं करेगी। अफ़वाह और दुष्प्रचार से अब कुछ हासिल नहीं होगा।ज्ञात हो कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसको लेकर बिहार में विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल रखा है। इसी मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सत्ताधारी दल को घेर चुके है। साथ ही अपने कार्यकर्ताओं को यहां होने वाले चुनाव में वोटर लिस्ट में कोई गड़बड़ी न हो पाए, इसके लिए सचेत भी कर चुके हैं। बिहार में मतदाता गहन पुनरीक्षण का काम शुरू हुए दो सप्ताह हो गए। इस पर हो रहे विवाद का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा गया है। विपक्ष ने कोर्ट से इस पर रोक लगाने की अपील की। इस बीच विपक्ष इस मुद्दे पर लामबंद हो रहा है। आज को राजद ने बिहार में चक्का जाम की घोषणा की है। बिहार के अलग-अलग जिलों में बंद समर्थक चक्का जाम कर रहे हैं।

एबीवीपी का 77वां स्थापना दिवस, जेपी नड्डा ने कहा- संगठन युवाओं के चरित्र निर्माण और 'विकसित भारत'में दे रहा योगदान

नई दिल्ली । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'यह संगठन युवाओं के चरित्र निर्माण के साथ ही 'विकसित भारत' निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सदैव अग्रसर रहें, यही कामना करता हूं।' उन्होंने लिखा, 'ज्ञान, शील एवं एकता के मूलमंत्र से उद्दीप्त, युवाओं में राष्ट्रवाद की अलख प्रज्ज्वलित करने वाले विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद' के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' नड्डा ने आगे लिखा, 'स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित एबीवीपी केवल एक संगठन नहीं बल्कि युवा चेतना की वह अखंड ज्वाला है, जो हर कालखंड में राष्ट्र के लिए समर्पण एवं समाज के लिए सेवा का संकल्प लेती है।'केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एबीवीपी के 77वें स्थापना दिवस के मौके पर अपने एक्स पोस्ट में लिखा, 'विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस पर सभी युवा कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं। एबीवीपी ऐसा छात्र संगठन है जो राष्ट्र निर्माण, संस्कार संरक्षण और युवाओं में राष्ट्रप्रेम जागृत करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह संगठन एक विचार है, जो आज भी देश के उज्ज्वल भविष्य का प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है।' भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, 'राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस की समस्त देशवासियों एवं कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।' उन्होंने आगे लिखा, 'छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति।' लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक्स पर लिखा, 'राष्ट्र प्रथम की मूल भावना के साथ विचार उत्थान व राष्ट्र नवनिर्माण में समर्पित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस पर सभी समर्पित विद्यार्थियों व कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं और अभिनंदन।' अनुराग ठाकुर ने आगे लिखा, 'एबीवीपी केवल एक छात्र संगठन नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन और प्रत्येक युवा में छिपे राष्ट्रप्रेम को जागृत करने की एक सशक्त विचारधारा है। यह संगठन वर्षों से ज्ञान, अनुशासन और समर्पण की भावना को केंद्र में रखते हुए असंख्य युवाओं को राष्ट्रसेवा की ओर प्रेरित करता रहा है। 'आरएसएस दिल्ली प्रांत ने इस मौके पर एक्स पोस्ट करते हुए लिखा, 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं व युवा साथियों को हार्दिक शुभकामनाएं। ज्ञान, शील और एकता के मंत्र के साथ एबीवीपी युवाओं में राष्ट्रभक्ति व सेवा का भाव जागृत कर रहा है।'

केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का सम्मेलन 10-11 जुलाई को केवड़िया में होगा

नई दिल्ली। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 10 और 11 जुलाई को गुजरात के केवड़िया में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें चर्चा का फोकस इन विश्वविद्यालयों को वैश्विक शिक्षा परिदृश्य के लिए तैयार किये जाने पर होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के कार्यान्वयन के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किये जा रहे इस सम्मेलन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका को शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन के वाहक के रूप में पुनर्परिभाषित करना है। साथ ही, यह विकसित भारत एट 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालयों के योगदान को रेखांकित करेगा।

भारत और ब्राजील ने तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किये

दोनों नेताओं ने अपने-अपने देशों के संबंधित सरकारी निकायों को कुछ अन्य द्विपक्षीय समझौतों को यथाशीघ्र संपन्न करने के उद्देश्य से सहयोग करने का भी निर्देश दिया।

एजेंसी

ब्रासीलिया/नई दिल्ली। भारत और ब्राजील ने हर क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मज़बूत करने और दोनों देशों के लोगों के बीच परस्पर संपर्क तथा व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने के साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तीन समझौतों और कई अन्य समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं।

ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा के साथ मंगलवार देर रात यहां हुई द्विपक्षीय बैठक तथा प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। दोनों देशों के अधिकारियों ने श्री मोदी और श्री लूला की मौजूदगी में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने में सहयोग पर समझौते,वर्गीकृत सूचनाओं के आदान-प्रदान और पारस्परिक संरक्षण समझौते और नागरिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर समझौते पर हस्ताक्षर

किये। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग पर समझौता ज्ञापन, ब्राजील के कृषि विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बीच कृषि अनुसंधान पर समझौता ज्ञापन, डिजिटल परिवर्तन के लिए सफल बड़े पैमाने पर डिजिटल समाधानों के साझाकरण हेतु सहयोग पर समझौता ज्ञापन, बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किये गये। दोनों नेताओं ने अपने-अपने देशों के संबंधित सरकारी निकायों को कुछ अन्य द्विपक्षीय समझौतों को यथाशीघ्र संपन्न करने के उद्देश्य से सहयोग करने का भी निर्देश दिया। इनमें रक्षा उद्योग सहयोग पर समझौता ज्ञापन, खेल क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन, अभिलेखीय सहयोग पर समझौता ज्ञापन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सीईपी) 2025-2029 शामिल हैं। दोनों देशों ने अपनी विदेश नीति के मार्गदर्शक सिद्धांतों शांति, समृद्धि और सतत विकास के उच्च उद्देश्यों को याद करते हुए बहुलवादी पहचान वाले दो जीवंत लोकतंत्रों के बीच बढ़ते सहयोग के एजेंडे पर सहमति व्यक्त की। यह एजेंडा सभी के लिए अधिक न्यायसंगत, अधिक समावेशी और अधिक टिकाऊ विश्व के सह-निर्माता के रूप में अंतरराष्ट्रीय मामलों में दोनों देशों की विशिष्ट भूमिका के अनुरूप है।

चुरू में वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश, 2 लोगों की शव बरामद

एजेंसी

चुरू। राजस्थान के चुरू जिले में बुधवार सुबह भारतीय वायुसेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यह हादसा जिले के एक खुले क्षेत्र में हुआ और दुर्घटना के समय विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। हादसे के तुरंत बाद इलाके में धुएं का गुबार छा गया और स्थानीय लोगों ने तेज धमाके की आवाज सुनी। रक्षा सूत्रों के अनुसार, विमान के क्रैश होने के बाद पायलट की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और उसकी मौत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।वायुसेना और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया गया है, ताकि जांच कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी मतों की चोरी की कोशिश हो रही है : राहुल गांधी

एजेंसी

पटना। बिहार में मतदाता पुनरीक्षण और ट्रेड यूनियन के हड़ताल के समर्थन में आईएनडीआई गठबंधन के आज बिहार बंद का असर रेल और सड़क यातायात पर पड़ा है। राजधानी पटना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव एक साथ सड़कों पर उतर कर विरोध मार्च में हिस्सा लिया। पटना में राहुल गांधी ने बंद समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उनके हाथ में संविधान की किताब थी।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, बिहार में वोट की चोरी की कोशिश हो रही है। मैं बिहार की जनता को कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था। वैसे ही बिहार का चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। गरीबों का वोट छीनने का यह तरीका है।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि आपको जो करना है करिए, मगर बाद में कानून आप पर लागू होगा। भूलिए मत आप कितने भी बड़े हों, कहीं भी बैठे हों, कानून आपको नहीं छोड़ेगा। आपका काम हिन्दुस्तान के संविधान की रक्षा करने का है। आपका काम

बिहार की जनता के दिल के अंदर जो हो उसको पूरा करने का है।

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में वोट की चोरी की गई है। हमलोग इलेक्शन कमिश्नर से जाकर मिले थे। मैंने उनसे पूछा कि आपको क्या लगा? और सभी ने कहा कि चुनाव आयुक्त भाजपा जैसे बात कर रहे हैं। वो भूल रहे हैं कि वो किसी राजनीतिक पार्टी के नहीं हैं, वो हिन्दुस्तान के इलेक्शन कमिश्नर हैं और उनका काम संविधान की रक्षा करना है। इससे पहले राहुल गांधी पटना स्थित आयकर गोलंबर पर पहुंचे, जहां पहले से ही बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मौजूद थे। यहां महागठबंधन के कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ा हुआ था। इसके बाद तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, दीपांकर भट्टाचार्य और मुकेश सहनी जैसे महागठबंधन के दिग्गज नेता वाहन पर सवार होकर मार्च के लिए निकले।

गुजरात पुल हादसे में 9 लोगों की मौत, सीएम भूपेंद्र पटेल ने किया मुआवजे का ऐलान

एजेंसी

गांधीनगर । गुजरात के वडोदरा जिले के पादरा तालुका में पुल के ढहने से अब तक 9 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल के 23 गर्डरों में से एक गर्डर के टूटने से हुई दुर्घटना दुखद है। मैं इस दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। वडोदरा कलेक्टर से बात कर घायलों के तत्काल इलाज के लिए प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम पटेल ने बयान में कहा, स्थानीय नगरपालिका और वडोदरा नगर निगम की अग्निशमन टीम नावों और तैराकों के साथ दुर्घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्यों में जुटी हुई है। साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव अभियान में जुटी हुई है। सड़क निर्माण विभाग को इस दुर्घटना की तत्काल जांच के आदेश दिए गए उन्होंने कहा, आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल का एक हिस्सा ढहने से हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। राज्य सरकार इस दुर्घटना

हैं। चीफ इंजीनियर (डिजाइन), चीफ इंजीनियर (दक्षिण गुजरात), और पुल निर्माण में विशेषज्ञ दो निजी इंजीनियरों की एक टीम को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर पुल के टूटने के कारणों और अन्य तकनीकी पहलुओं की प्रारंभिक जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री ने मुआवजे का भी ऐलान किया। से प्रभावित प्रत्येक परिवार के साथ पूरी संवेदना के साथ खड़ी है। राज्य सरकार दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 4 लाख रुपए की सहायता प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति को 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी और इलाज की सभी व्यवस्थाएं भी राज्य सरकार द्वारा की जाएंगी।

वृक्षारोपण महाअभियान 2025: यूपी में 5 घंटे में लग गए 16 करोड़ पेड़

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश भर में बुधवार को बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया जा रहा है। आज सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक यानी कि 5 घंटे में 16 करोड़ पेड़ लगाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह जानकारी दी। आज प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने बाराबंकी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मेरठ व ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में पौधरोपण कर वृक्षारोपण महाअभियान-2025 की शुरुआत की। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आज पूरे प्रदेश में 37 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य लिया गया है। मुख्यमंत्री ने अयोध्या में वृक्षारोपण करने के बाद स्वयं सेल्फी भी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि वृक्षारोपण महाअभियान-2025 के तहत आज 12 बजे तक प्रदेश में 16 करोड़ पौधरोपण हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

विकास के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा की जानी चाहिए। यूपी में वनाच्छादन बढ़ा है। अब हम हीट वेव से ग्रीन वेव की तरफ बढ़ रहे हैं। योगी ने कहा कि प्रदेश के अंदर हम लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाने में सफलता हासिल की है। पिछले 08 वर्षों में उत्तर प्रदेश में 204 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण करके अपने वन आच्छादन को अतिरिक्त 5 लाख एकड़ बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि इन पेड़-पौधों में भी जीवन है। अलग-अलग पेड़ों में देवी देवताओं का वास होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 08 साल पहले हमारे पास पर्याप्त पौधे लगाने के लिए नहीं थे। जब वन विभाग के द्वारा सुनिश्चित प्रयास हुए तो अलग-अलग विभागों के समन्वय प्रयास से 52 करोड़ पौधे आज हमारे पास हैं।

अयोध्या में वृक्षारोपण के समय मुख्यमंत्री के साथ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, वन मंत्री डॉ. अरूण कुमार सक्सेना, अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, भाजपा के जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रूदौली के विधायक रामचन्द्र यादव, मिल्कीपुर के विधायक चन्द्रभान पासवान, बीकापुर के विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान उपस्थित रहे।

योगी ने श्री रामलला व हनुमानगढ़ी का किया दर्शन-पूजन

एजेंसी

अयोध्या। पौधरोपण महा अभियान का शुभारंभ करने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पहले संकट मोचन हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद उन्होने श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती की और दर्शन-पूजन के उपरांत निकलते समय आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया। वहीं मंदिर परिसर की परिक्रमा कर राम मंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया और राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये।।मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत संकट मोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दर्शन किए। उन्होंने श्रीरामलला की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की इसके साथ ही उन्होंने राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी भी ली। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। इससे पहले मुख्यमंत्री के अयोध्या आगमन पर महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर उन्हें स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया।

तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत 13 अगस्त तक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की अदालत ने बुधवार को 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत को 13 अगस्त तक बढ़ा दिया। यह घटनाक्रम राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा राणा के खिलाफ एक पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के बाद सामने आया। इस आरोपपत्र में राणा का गिरफ्तारी ज्ञापन, जब्ती ज्ञापन और कुछ अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी शामिल थे। राणा के खिलाफ पहला आरोपपत्र 2012 में दाखिल किया गया था। इस हफ्ते की शुरुआत में, तहव्वुर राणा ने मुंबई अपराध शाखा के सामने कुछ अहम खुलासे किए थे। उसने कहा कि वह पाकिस्तानी सेना का एक भरोसेमंद एजेंट था और 2008 के हमलों के दौरान मुंबई में मौजूद था। 4 जुलाई को दिल्ली की एक अदालत ने राणा की न्यायिक हिरासत को 9 जुलाई तक बढ़ा दिया था। ऐसे में अब एनआईए द्वारा राणा के खिलाफ एक पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के बाद न्यायिक हिरासत की तारीख 13 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर, राणा को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह के समक्ष पेश किया गया। राणा के वकील ने उसकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति का मुद्दा उठाया, जिसके बाद पटियाला हाउस कोर्ट ने तिहाड़ जेल अधिकारियों से 9 जून तक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। तहव्वुर राणा को हाल ही में अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। जांच एजेंसी को संदेह है कि उसने 26/11 हमलों के मुख्य आरोपी डेविड हेडली को निर्देश, लोकेशन और नक्शे साझा किए थे। इन निर्देशों का उपयोग मुंबई में हमलों से पहले लक्ष्यों की पहचान करने में किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी सेविकाओं ने BDO को सौंपा ज्ञापन

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर प्रखंड कार्यालय में बुधवार दोपहर 3 बजे प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी सेविकाओं ने अपनी कई मांगों और श्रमिक कानून के खिलाफ भारत बंद को लेकर प्रभारी प्रखंड विकास सह अंचल अधिकारी चंचल कुमारी को एक मांग पत्र सौंपा है। इस दौरान आंगनबाड़ी सेविका के प्रखंड अध्यक्ष अफसाना खातून ने बताया कि लंबे समय से आंगनबाड़ी सेविकाओं का कई मांग केंद्र और राज्य सरकार के अधीन पेंडिंग है उसको लागू किया जाए। साथ ही केंद्र सरकार श्रमिक कानून को बदलाव कर रही है वह सही नहीं है उसको भी लेकर आज पूरे देश में बंदे किया गया है इसका भी समर्थन करते हैं हमारे मजदूर हित में है मजदूरों के साथ हो रही है हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस मौके पर रजनी एक्का अपर्णा खलखो रेखा लकड़ा सबीहा मेराज सहित अन्य आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित थीं।

शहर में संचालित आरओ प्लांट का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेन्द्र चौधरी एवं नगर परिषद के टीम के साथ नगर में विभिन्न जगहों पर संचालित आरओ प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके जल स्त्रोत उनके संबंधित कागजात जल शुद्धता आदि के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही जिन जिन आरओ प्लांट में कमी पाई गई उन्हें आवश्यक दिशा- निर्देश दिया गया। मुख्य रूप से बागानपाड़ा स्थित प्योर वॉटर, शीतल जल और आदर्श नगर स्थित निर्मल जल प्लांट का जांच किया गया।

अभाविप के 77 वें स्थापना दिवस पर छात्रों ने किया ध्वजारोहण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा पाकुड़ खदानपाड़ा में 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर परिषद के कार्यकताओं, छात्र और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत नगर मंत्री हर्ष भगत ने अइश्ठ ध्वजारोहण कर किया इसके पश्चात वंदे मातरम् गाया गया के बाद उपस्थित कार्यकताओं ने संगठन के उद्देश्यों और राष्ट्रसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। मौके पर उपस्थित विद्यार्थी परिषद पाकुड़ के जिला संयोजक सुमित पांडे ने बताया कि परिषद के ऐतिहासिक योगदान, छात्र आंदोलनों में उसकी भूमिका और शिक्षा एवं समाज सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक चेतना और छात्रहित के प्रति सजगता को जागृत करना था। विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल 1949 से ही राष्ट्र पुनर्निर्माण के लिए छात्रों के अंदर पढ़ाई के साथ राष्ट्र प्रथम की भावना जगाते आ रही है। नगर मंत्री हर्ष भगत ने कहा कि कि विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि यह एक विचार है जो छात्र-छात्राओं को नेतृत्व, सेवा और समर्पण के मार्ग पर अग्रसर करता है। हम सब मिलकर एक सशक्त और समर्थ भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। भारत युवाओं का देश है और यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है, कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और वंदे मातरम्ह्ल के नारों के साथ किया गया।मौके पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के आचार्य जी संदीप कुमार झा, प्रदेश SFS सह संयोजक सानू रजक, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनीषा कुमारी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी तन्मय पोद्दार,अमित साहा, प्रदीप मिश्रा, आर्गो कुमार, आयुष भगत, कमल किशोर, आदित्य हेंब्रम, ईशा भगत, रानी साहा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोग घायल

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर टांगरबसली रोड में बुधवार की शाम को सड़क दुर्घटना में बेड़ो पुरियों के एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गये. घायलों में जटा लोहरा 33 वर्ष, उनकी पत्नी विद्या देवी 30 वर्ष एवं दो बच्चे वैष्णवी कुमारी 12 वर्ष व अभिनन्दन कुमार 7 वर्ष शामिल हैं. जटा लोहरा, विद्या देवी व वैष्णवी कुमारी को ज्यादा चोट आई है. जिन्हें मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना करीब सात बजे की है. बताया जा रहा है कि सभी एक ही बाइक में मांडर से अपने घर बेड़ो पुरियो जा रहे थे. इसी क्रम में नारो पुल के निकट खुद ही असंतुलित होकर सड़क पर गिर गये और घायल हो गये. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मांडर पुलिस ने उन्हें रेफरल अस्पताल पहुंचाया!

डी ए वी विद्यालय में मनाया गया छात्र परिषद अलंकरण समारोह

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बुधवार को विद्यालय के प्रार्थना सभा में छात्र परिषद अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायधीश कुमार क्रांति प्रसाद एवं प्राचार्य विश्वदीप चक्रवर्ती द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस उपलक्ष्य में विद्यालय के छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। विद्यालय गतिविधियों के सहज संचालन हेतु विद्यालय में हेड बॉय, हेड गर्ल, कप्तान आदि का चयन किया गया जिसे मुख्य अतिथि श्री कुमार क्रांति प्रसाद द्वारा

बैज,सैशे एवं ध्वज देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के चारों हाउस दयानंद, अरविंदो, विवेकानंद एवं श्रद्धानंद के चयनित छात्र परिषद को पद की शपथ दिलवाई गई। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि कुमार क्रांति प्रसाद ने बच्चों को स्कूल के नेतृत्व एवं अनुशासन के बारे में बताया। उन्होंने आगे बताया कि कप्तान, हेड बॉय, हेड गर्ल एवं छात्र परिषद विद्यार्थी जीवन में नेतृत्व के गुणों को विकसित करने के लिए बनाए गए हैं। आगे चलकर ऐसे ही विद्यार्थी भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अप्रतिम नेतृत्व क्षमता से संपन्न होंगे। प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने बताया कि नेतृत्व का अर्थ बहुत व्यापक है। शिक्षा से लेकर खेल तक हर स्थान पर इसकी आवश्यकता है। उनके अनुसार अनुशासन, कर्त्तव्य, निष्ठा, दायित्व बोध, दूसरों के प्रति सम्मान, देश व संविधान के प्रति अप्रतिम श्रद्धा, इन गुणों के विकास के लिए विद्यार्थी परिषद का निर्माण किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक गण, छात्र छात्राएं एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में हिस्सा लेंगे यूपी कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल

भोपाल:

चौरिया कुर्मी महासभा और पटेल समाज द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 13 जुलाई 2025 (रविवार) को नर्मदापुरम जिले के इटारसी में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और अपना दल (एस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 170 होनहार छात्र-छात्राओं को उनके शैक्षणिक और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन साई कृष्णा रिसोर्ट, पेट्रोल पंप के पास (खेड़ा), इटारसी में सुबह 11 बजे से शुरू

होगा। अपना दल (एस) राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी आर बी सिंह ने बताया कि इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष पटेल अपना दल (एस) की नीतियों और विचारधारा पर प्रकाश डालेंगे।

भाजपा की विधानसभा स्तरीय सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ भारतीय जनता पार्टी की विधानसभा स्तरीय संगठन महापर्व सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद एवं प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी शामिल हुए। प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने लिट्टीपाड़ा, पाकुड़ और महेशपुर की समीक्षात्मक बैठक में कहा कि संगठन महापर्व सदस्यता अभियान का विशेष अभियान चल रहा है।इस दौरान सभी शक्तकेंद्रों एवं बूथों को चिन्हित किया गया है। पार्टी के सभी प्रदेश, जिला और मंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि इस अभियान के महत्व को देखते हुए अपने अपने संबंधित मंडलों में कार्य में तेजी लाएं।इस अभियान में उन बूथों को भी शामिल किया गया है, जहां पर नेटवर्क नहीं है। विभिन्न बूथों पर फॉम के माध्यम से सदस्यता कराई जाएगी।

प्रत्येक मंडल की समीक्षा के साथ शक्ति केंद्र बूथ की समीक्षा और आगामी कार्य योजना बनाने के लिए सभी मंडल अध्यक्षों को निर्देश दिए एवं मंडलों की बैठक आहूत करने के लिए कहा। बैठक में जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने सदस्यता अभियान के लक्ष्य एवं उसकी प्राप्ति की विस्तृत जानकारी दी। जिले में कार्यकताओं द्वारा 125000 सदस्य बनाने का लक्ष्य लिया था। शेष लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु नई रणनीति एवं कार्य योजना के साथ कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। समीक्षा बैठक में प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी ने सभी कार्यकताओं से आवाहन किया कि हमें द्वितीय अवसर प्राप्त हुआ है। इसका लाभ लेते हुए अपने लक्ष्य को पूर्ण करना है, और देश की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी का सदस्य बनना हर सामाजिक कार्यकर्ता के लिए गौरव की बात है।

पाकुड़ शहर के छोटी अलीगंज में विशेष स्वास्थ्य जॉच शिविर का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान के अंतर्गत पाकुड़ शहर के वार्ड नंबर 3, छोटी अलीगंज में स्वास्थ्य विभाग की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ० आदित्य रंजन, चिकित्सा पदाधिकारी, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़ के द्वारा सामान्य एवं गंभीर बीमारियों की जांच किया गया। गंभीर बीमारियों की जांच के साथ साथ रोगी को सलाह देते हुए सदर अस्पताल पाकुड़ रेफर किया गया तथा सामान्य बीमारियां जैसे हाइपरटेंशन, सुगर, सर्दी, खांसी, बु-खार, हाथ, पैर का फूलना, कमजोरी, एनीमिया इत्यादि जैसे बीमारियों को शिविर में ही जांच करते हुए उपचार किया गया। जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ० एस के झा एवं जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक विनोद कुमार वर्मा के द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ० एस के झा द्वारा भी कुछ मरीजों की बीपी एवं

पल्स की जांच किया गया। डॉ झा ने बताया कि कैंप में कुल 70 महिला पुरुष एवं बच्चों की जांच किया गया। मौके पर मौजूद जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक विनोद कुमार वर्मा ने बताया कि शहरी क्षेत्र पाकुड़ में कुल 6 स्वास्थ्य जॉच शिविर लगाया जाना है जिसमें अबतक कुल 4 शिविर लगाया जा चुका हैं। कल दिनांक 10 जुलाई को पाकुड़ शहर के टीनबंगला पोखर के पास स्वास्थ्य जॉच शिविर लगाया जाएगा जिसमें बागानपाड़ा, नया टोला, हिरण चौक अन्नपूर्णा कालोनी के लोग अपना स्वास्थ्य जॉच कराएंगे। शिविर में मुख्य रूप से स्वास्थ्य कर्मियों ने रस्वास्थ्य सेवा दिया जैसे ए एन एम, पॉलिना प्रमिला मुर्मू, सेलिन टुडू, लैब टेक्नीशियन मधुसूदन मंडल, एमपीडब्ल्यू रवि मरांडी, लोक स्वास्थ्य प्रबंधक मोहम्मद फहीम अख्तर, संजीव कुमार एवं सहिया सरिता देवी, सबिता देवी, कविता हाजरा उपस्थित रहे।

मनरेगा मिट्टी मोरम पथ अतिक्रमण मामले में यथास्थिति बनाये रखने का दिया निर्देश, पुलिस ने काम रुकवाया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

एम्स अस्पताल बाहर मुख्य मार्ग के किनारे भूमाफिया द्वारा योगिया छौरांट में मनरेगा मिट्टी मोरम पथ अतिक्रमण किये जाने के मामले में यथास्थिति बनाये रखने का दिया निर्देश अनुमंडल दण्डाधिकारी का कार्यालय देवघर द्वारा आदेश जारी किया गया है। जिसके तहत देवीपुर पुलिस के द्वारा किसी प्रकार का निर्माण कार्य फिलहल सख्त रूप से रोक लगा दिया गया है। इसके साथ ही जबरदस्ती कार्य कर रहे युवकों को पुलिस ने खदेड़ा। ग्रामीणों के एक मात्र

सड़क जो गांव से मुख्य मार्ग को जोड़ता है। उसे लेकर ग्रामीण कैलाश शर्मा के आवेदन पर अनुमंडल दण्डाधिकारी का कार्यालय देवघर के द्वारा कारवाई की गई है। जानकारी हो कि उक्त मौजा के जमाबंदी नं० 04, दाग नं० 30 पर मनरेगा से बना मिट्टी मोरम पथ पर भवन बनाकर अवरुद्ध किया जा रहा था। आवेदन पर संज्ञान लेते हुए अनुमंडल दण्डाधिकारी का कार्यालय देवघर के द्वारा आगामी दिनांक 23 जुलाई तक उक्त स्थल पर यथास्थिति बनाये रखने का निर्देश जारी किया गया है। इसके साथ ही आवेदन में योगिया छौरांट निवासी डीगो राणा, सिकन राणा, मुकन्दर राणा आदि को आरोपी बनाया गया है।

डीसी ने डीएमएफटी के तहत जिले में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा

स्पेशल डिवीजन के पदाधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के तहत जिले में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में स्पेशल डिविजन विभाग द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे डीएमएफटी के कार्यों की क्रमवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पेशल डिवीजन विभागों के पदाधिकारी से लंबित एस्टीमेट, टेंडर प्रक्रिया, एग्रीमेंट प्रक्रिया, कार्य अवधि समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। डीएमएफटी मद में उपलब्ध राशि से योजनाओं के चयन को लेकर प्रस्ताव बढ़ाने का निर्देश दिया गया। विकास योजनाओं के क्रियान्वयन से आम जनता में कोई शिकायत नहीं रहे, डीसी ने पदाधिकारीयों को निर्देशत करते हुए कहा कि डीएमएफटी के तहत संचालित योजनाओं की गुणवत्ता में कोई लापरवाही सामने नहीं आनी चाहिए। डीएमएफटी अंतर्गत विभिन्न योजनाओं यथा स्कूलों में अतिरिक्त वर्ग कक्षा निर्माण, पेयजल, पीसीसी सड़क, अस्पतालों में आधारभूत संरचना निर्माण समेत कई योजनाओं के संचालन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आम जनता के बीच गुणवत्ता को लेकर कोई शिकायत नहीं रहे।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आधारभूत संरचना, सामाजिक विकास एवं सड़क निर्माण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इसके अलावा बैठक में उप विकास आयुक्त ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करते हुए निर्देश दिया कि छात्र-छात्राओं के स्थानांतरण (transition) की निगरानी प्रणाली को बेहतर किया जाए और 80% ट्रांजिशन लक्ष्य प्राप्त किया जाएं। साथ ही विद्यालयों में शौचालय की स्वच्छता और उपयोगिता सुनिश्चित करते हुए 100% शौचालय लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा कमजोर प्रदर्शन वाले सूचकांकों को कम कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, तकनीक और व्यावसायिक प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम में शामिल करने, समीक्षा बैठकों के लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार करने, कमजोर प्रदर्शन वाले छात्रों की पहचान कर मूलभूत ज्ञान का परीक्षण कराने के निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने प्रोजेक्ट रेल योजना के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य व आंगनबाड़ी केन्द्रों में सुधार के निर्देश दिए गए ताकि जनांकिकीय संकेतकों में बेहतरी लाई जा सके। विद्यालयों में उपस्थिति और आरटीई (RTE) अनुपालन की निगरानी करने पर बल दिया गया। उपविकास आयुक्त महोदय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और ट्रांजिशन दर सुधार के लिए नवाचारी प्रयास साझा करने की बात कही और उनके कार्यान्वयन में हर

संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इसके अलावा आधारभूत संरचना के संदर्भ में FHTC योजनांतर्गत जूनियर इंजीनियरों को स्थल भ्रमण कर सटीक और वास्तविक डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। सभी संबंधित जानकारी को गूगल शीट पर अद्यतन करने का निर्देश दिया, जिसमें बीडीओ व जेई की टिप्पणियां शामिल होंगी। साथ ही ओडीएफ+ स्थिति को अद्यतन करने से पूर्व VWSC द्वारा बैठक कर जमीनी हकीकत का सत्यापन अनिवार्य करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, एक गांव को मॉडल गांव के रूप में चयनित कर सूक्ष्म कार्य योजना तैयार करने और पीएचईडी के सहयोग से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आगे प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY-G) के अंतर्गत 100% लक्ष्य प्राप्त करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही सामाजिक विकास के क्षेत्र में, निष्क्रिय स्वयं सहायता समूहों (RF-SHGs) को पुनः सक्रिय कर उन्हें 100% क्रियाशील बनाने का निर्देश दिया गया। इस-के अलावा प्रधानमंत्री डिजिटल साक्षरता अभियान (PM Dis) से जुड़े लंबित आंकड़ों को सुधारने हेतु नीति आयोग को पत्र भेजने के निर्देश दिए गए। साथ ही फाइनेंशियल मैनेजमेंट डैशबोर्ड (FMD) के अंतर्गत 100% लक्ष्य प्राप्त करने हेतु विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित करने, फील्ड स्टाफ के भुगतान से जुड़ी समस्याओं को दूर करने तथा JSLPS के साथ समन्वय स्थापित कर लक्ष्यों की पूर्ति करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने एमटीसी केंद्रों में प्रत्येक बेड पर एक महिला सुपरवाइजर (LS) की नियुक्ति करने का निर्दश जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को दिया गया, साथ ही स्वास्थ्य विभाग की BTT टीम को भी इसमें सम्मिलित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सड़क निर्माण विभाग से संबंधित चर्चा में भारतनेट परियोजना के अंतर्गत जिन सड़कों पर निर्माण कार्य के कारण यातायात में बाधा उत्पन्न हुई है, उन सभी सड़कों की सूची तैयार कर समाधान की दिशा में कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आगे उप विकास आयुक्त ने संबंधित विभागों को यह स्पष्ट निर्देश दिया कि अगली समीक्षा बैठक से पूर्व सभी लक्ष्यों में 100% प्रगति सुनिश्चित की जाए और सभी स्तरों पर सक्रिय समन्वय एवं नवाचार के साथ कार्य किया जाए। बैठक में उपरोक्त के अलावाः सिविल सर्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी, चारोंल्ल अकांक्षी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) तथा आकांक्षी प्र-खंड फेलो आदि उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम 2026 को लेकर

बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) को मिला प्रशिक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

15 देवघर (अ०जा०) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत देवीपुर प्रखंड में कार्यरत सभी बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम 2026 को लेकर सूचना भवन देवघर में प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी देवीपुर विजय राजेश बारला के द्वारा बीएलओ को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम 2026 का मुख्य बातें बताई गई। मौके पर बीएलओ पर्यवेक्षक धर्मेन्द्र देव, रोहित महतो, प्रभाकर कुमार, अजय अनोखा, बीएलओ राखी कुमारी, पूनम शर्मा, पिंकी देवी, अंजू देवी, गीता देवी, कल्पना भारती आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ग्यारह छात्राओं को दीनेन्द्र नारायण राय स्मृति पुरस्कार की मानद उपाधि

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। आज स्थानीय दीनबंधु उच्च विद्यालय के रवीन्द्र सभागार में डी एन राय मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव संजय राय के सौजन्य से दीनबंधु उच्च विद्यालय के २०२५ के माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों में टॉप टेन कार्यक्रम के तहत ११ छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि, झारखण्ड दिगम्बर जैन धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष ताराचंद जैन, विशिष्ट अतिथि, लच्छीरामका चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक न्यासी ई. यमुना प्रसाद लच्छीरामका, उच्च विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. एन.सी. गाँधी, सचिव संदीप कुमार गोस्वामी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक काजल कांति सिकदार, मध्य विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव निर्झर चक्रबर्ती, ट्रस्ट समिति के सदस्य शरबिन्दु कुंडु, सदस्य प्रसून बसु, रजत मुखर्जी एवं अन्य के करकमलों से स्कूल बैग और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिया कुमारी को 94.4 प्रतिशत के साथ प्रथम, साधना कुमारी को 93.4 प्रतिशत के साथ द्वितीय, स्वीटी कुमारी को 87.8 प्रतिशत के साथ तृतीय, ऋषिका राज को 79.8 प्रतिशत के साथ चतुर्थ, अन्नुप्रिया को 78.6 प्रतिशत के साथ पंचम, साना प्रवीण को 77.2 प्रतिशत के साथ षष्ठ, रिया कुमारी यादव को 77 प्रतिशत के साथ सप्तम, निखत प्रवीण को 76.6 प्रतिशत के साथ अष्टम, साक्षी केशरी को 76 प्रतिशत को नवम, खुशी कुमारी एवं अन्नु कुमारी को 74 प्रतिशत के साथ युग्म रूप से दशम स्थान प्राप्त हुआ है।

भाजपा नेता राकेश सिंह ने बिहार सरकार द्वारा युवा आयोग के गठन का निर्णय पर धन्यवाद दिया

पटना ,।

बिहार सरकार द्वारा युवा आयोग के गठन का निर्णय पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा धन्यवाद एवं आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया भारतीय जनता पार्टी सोनपुर कार्यालय से नगर परिषद कार्यालय तक आयोजित आभार यात्रा मे मुख्य रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजीव सिंह मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह बबलू दीपक शर्मा आदित्य कुमार छोटू युवा मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह महामंत्री राहुल सोलंकी संजीव सिंह मुन्ना सिंह राजन राम राकेश सिंह कार्यालय मंत्री दिव्यांशु गौतम राजेश कुमार गुप्ता एवं अनेक साथी उपस्थित रहे कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने कहा की युवा आयोग का गठन बिहार के युवाओं के विकास मे एक नया आयम साबित होगा भाजपा युवा मोर्चा राजीव सिंह से ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी विजय सिन्हा एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देते हुए कहा की युवा आयोग बिहार मे युवा के सपने एवं संघर्ष को एक रास्ता प्रदान करेगा इसके लिए बिहार के युवा हिर्दय से धन्यवाद देते है।

बिहार बंद को बिहार की जनता ने नकारा भाजपा कार्य समिति सदस्य :- गोपाल शरण सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य गोपाल शरण सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि राजद ,कांग्रेस एवं उनके समर्थित दलों द्वारा बुलाए गए बिहार बंद को बिहार की जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है , बिहार में कई स्थानों पर राजद कांग्रेस के कार्यकताओं ने गुंडागर्दी कर व्यवसायियों ,आम नागरिकों ,बीमार लोगों और राहगीरों को नुकसान पहुंचाने का निंदनीय कार्य किए हैं इनके विरोध कानूनी कार्रवाई किए जाना चाहिए बिहार की जनता मतदाता सूची के गहन पुनर्निरीक्षण का पूरी तरह समर्थन करती है और यह राष्ट्रहित में और बिहार के हित में आवश्यक है, भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए की सरकार देश के सभी तबकों के हितों के लिए काम करती है और सभी लोगों के लिए बिना भेदभाव के योजनाएं बनाती है। जिससे सभी लोग लाभान्वित हो रहे हैं लेकिन यदि बिहार में घुसपैठिए इस देश और राज्य के अवैध नागरिक बनकर के गरीबों का हाकमरी करने का काम करते हैं और उन्हें सत्तालोलुप राजनीतिक दल के लोग समर्थन देकर और गरीबों के साथ अन्याय कर रहे हैं उनके हकमरी को बढ़ावा दे रहे हैं जिसे बिहार की जनता इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी , आज के बंद की विफलता इस बात का जनादेश है राजद कांग्रेस और उनके समर्थक दलों को यह समझ जाना चाहिए की बिहार की जनता अब अपने हक के लिए जागरुक है और किसी भी सूरत में बिहार के अंदर घुसपैठियों को और अवैध लोगों को ना तो मतदाता सूची में और नहीं सरकार के किसी योजनाओं में भागीदार बनाने के लिए सहमत है। इसलिए इन दलों को देश के और राज्य के गरीब गुरबों के हकमरी करके यदि यह सत्ता पाना चाहते हैं तो इस बात को भूल जाएं। अब फिर से बिहार की जनता जंगल राज को अन्याय के शासन को और तुष्टिकरण को बिहार में कभी भी स्थापित नहीं होने देगी देश के हित में और बिहार वासियों के हित में जो जायज है वह सारे कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाएंगे आज के इस बंद का पूरी तरह जनता के द्वारा नकार दिया जाना इस बात का प्रमाण है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिनके पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो रहा है वे छोटे छोटे क्षेत्रीय दलों के बैसाखी के सहारे अपना वजूद बचाने की कवायद कर रहे हैं,हाथ में संविधान लेकर रोहंगियों और बांग्लादेशियों के कीमत पर देशवासियों के संवैधानिक अधिकारों का हनन करना चाहते हैं। उनके इस देश विरोधी और जन विरोधी कृत्य को बिहार की जनता बखूबी समझ रही है। 2025 के चुनाव में इन सभी इंडी गठबंधन दलों को बिहार जनता सबक सिखाने का मन बना चुकी है इन्हें यह बात बढ़िया से समझ लेना चाहिए।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 'सशक्त किशोरी सुरक्षित भविष्य' पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

विकास भवन सभागार में आज बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत एक प्रेरक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन चेतना विकास और जिला समाज कल्याण विभाग के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को सशक्त बनाने, उनके उत्कृष्ट प्रयासों को संवर्धन करने हेतु और समाज में बेटियों के महत्व पर जागरूकता बढ़ाने का प्रयास था। कार्यक्रम का उदघाटन दीप प्रज्ज्वलन सह सास्कृतिक नृत्य द्वारा संपन्न किया गया चेतना विकास की रानी कुमारी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला किशोरियों को विभिन्न हित धारकों के साथ अपनी बात, सोच और सपने साझा करने का एक सुरक्षित मंच प्रदान करना व किशोरियों और विभिन्न विभागों के बीच सहयोग बढाकर एक सुरक्षित समाज की ओर कदम बढ़ाना बेटी बचाओं, बेटी पढाओं अभियान के अंतर्गत साइबर क्राइम सुरक्षा पर बच्चियों द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों के समक्ष पपेट शो के माध्यम से जानकारी दिया गया, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार ने अपने संबोधन में शिक्षा को बढ़ावा देना, समाज के बीच जागरूकता फैलाने की बात कही और साथ ही उन्होंने घटते सेक्स दर पर भी चिंता व्यक्त की, जिला शिक्षा पदाधिकारी बिनोद कुमार ने अपने

वक्तव्य में कहा की बेटी पढाओं तब अपने आप बेटी बच जाएगी इसलिए इस अभियान में बेटियों को पढ़ाना, आगे बढ़ाना, शिक्षा विभाग से जोड़ना और शिक्षा में उत्तरोत्तर विकास लाना ही एक मात्र लक्ष्य है जहाँ बेटियां समृद्ध होंगी, तभी समाज सशक्त होगा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी रंजना ने बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं अभियान के अंतर्गत किशोरियों को मिलने वाले योजनाओं का लाभदिलाकर उसकी मजबूत कड़ी तैयार करना, सावित्री बाई फुलें योजना ड्रॉपआउट को कम करने में अहम् भूमिका निभा रही है, साइबर क्राइम से बच्चियों को सुरक्षा प्रदान करना, लिंग-समानता के ऊपर विशेष प्रयास करने की बात कही । इस अवसर पर मधुपुर प्रखंड की उन किशोरियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। सम्मानित किशोरियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अपने गाँव और समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी अपनी बातों को साझा किया बच्चियों द्वारा किये गये सवालो के ऊपर बाल संरक्षण समिति के पूर्व अध्यक्ष कौशल कुमार एवं सदस्य देवेन्द्र पाण्डेय ने सवालो का जवाब दिया इस कार्यक्रम को धन्यवाद ज्ञापन कुमार रंजन ने किया, पुरे कार्यक्रम को सम्पादित करने में किशोरियों, बाल संरक्षण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला पर्यवेक्षिका, CDPO, चाइल्ड लाइन, NGO प्रतिनिधि, समाज कल्याण विभाग एवं चेतना विकास के साथियों की अहम् भूमिका रही।

श्रमिकों एवं कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल व बंद के समर्थन में इंटक ने मोहनपुर प्रखंड में निकाली रैली

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिला इंटक के अध्यक्ष अनंत मिश्रा, झारखंड प्रदेश इंटक के प्रदेश सचिव अजय कुमार एवं मोहनपुर प्रखंड इंटक के अध्यक्ष अजय कांत ठाकुर के सामूहिक नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रतिपादित चार श्रम संहिता के विरोध मे श्रमिकों द्वारा आज के देशव्यापी हड़ताल एवं बंद के समर्थन में मोहनपुर प्रखंड स्थित मोहनपुर बाजार में रैली निकाली गई। श्रमिकों की हड़ताल एवं बंद के समर्थन में निकाली गई रैली में अनंत मिश्रा अजय कुमार एवं अजयकांत ठाकुर के अलावा जिला एवं प्रखंड इंटक के पदाधिकारियों तथा कार्यकारिणी के सदस्यों में प्रमिला देवी, बबली सिंह, पूजा देवी, गंगाधर रजक, अभिषेक सिंह, आशीष कुमार, प्रिया रंजन ठाकुर, देवघर जिला

कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन बृजभूषण राम, शैलेश मिश्रा, शकील कापड़ी, सिकंदर रावत, सोमनाथ रामानी, चंपा देवी, नेहा देवी, आरती देवी एवं श्रीकांत यादव सहित कई और लोग शामिल थे। उक्त अवसर पर झारखंड प्रदेश इंटक के प्रदेश सचिव अजय कुमार ने कहा कि जिस प्रकार किसानों के हित में चार कृषि कानून वापस लिया गया है उसी प्रकार केंद्र सरकार को चार लेबर कोड को भी वापस लेना होगा केंद्र की भाजपा सरकार लगातार श्रम विरोधी कानून मजदूरों पर थोपने का काम कर रही है जिसे उखाड़ कर फेंकने की जरूरत है। श्री कुमार ने कहा कि सरकार कोयला खदानों का तेजी से निजीकरण कर रही है जिससे मजदूरों के अधिकारों का हनन हो रहा है, आउटसोर्सिंग कंपनियों में मजदूरों से 8 घंटे से अधिक कार्य कराया जा रहा है लेकिन उन्हें तो समान काम का समान वेतन दिया जा रहा है न ही आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही है। देवघर जिला इंटक के जिला अध्यक्ष अनंत मिश्रा ने कहा कि देश के उद्योग और व्यापार जगत से जुड़े छोटे उद्योगपतियों व्यापारियों और सर्विस सेक्टर का संचालन करने वालों पर केंद्र की मौजूदा सरकार की जन विरोधी नीतियों से पड रहे दुष्प्रभाव को रोकने के लिए सशक्त आंदोलन की जरूरत है, इतना ही नहीं सरकार द्वारा श्रम कानून में बदलाव कर मजदूरों के अधिकारों को छीना जा रहा है ठेका मजदूरों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं दी जा रही है जिससे उनका जीवन और कठिन हो गया है।

हसपुरा प्रखंड में महागठबंधन का आयोजित बंदी का रहा दोपहर तक मिला - जुला असर

महागठबंधन कार्यकर्ता सरकार विरोधी लगाए नारे

रिपोर्ट - निशांत कुमार

हसपुरा (औरंगाबाद) :- हसपुरा प्रखंड में ट्रेड यूनियनों की देश व्यापी हड़ताल और चक्का जाम है। जिसमें विपक्षी भी समर्थन दिया है। बंदी और चक्का जाम में विपक्षी शामिल होकर मतदाता सूची गणन पुनरीक्षण कार्य को लेकर बिहार की सियासत एक बार फिर भारत बंद कर गरमा दी है। चुनाव से पहले राज्य में जारी मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के खिलाफ इंडिया महागठबंधन के तमाम घटक दल के कार्यकताओं ने घुम-घुम कर बुधवार को सुबह से ही दुकानें और वाहन बंद करवा रहे थे। इस दौरान हसपुरा बाजार, पचरूखिया , सिहाड़ी सहित विभिन्न जगहों पर इंडिया महागठबंधन के कार्यकर्ता बंदी को लेकर मतदाता पुनरीक्षण कार्य को वापस लो, केन्द्र सरकार व निर्वाचन आयोग की मनमानी नहीं चलेगी, मतदाता सूची गणन पुनरीक्षण कार्य वापस लो का नारा लगाकर विरोध जता रहे थे। बिहार बंद आंदोलन में शामिल हसपुरा में सीपीआई नेता अधिवक्ता चंद्रशेखर सिंह , पूर्व प्रमुख विजय कुमार,माले नेता दिनेश राम, कांग्रेस के मिथलेश सिंह , मानदीप चौधरी, किशोरी प्रसाद,राजद नेता भोला कुरैशी, जगजीत कांत , अशोक यादव, और हसपुरासे प्रदेश महासचिव सह जिला अध्यक्ष व्यवसाय प्रकोष्ठ रामबाबू गुप्ता भी सामील रहे और पचरूखिया में सोनम कुशवाहा, रविन्द्र यादव, नागेश्वर यादव, सतेन्द्र कुमार, मनीष कुमार,सचिन कुमार, भोला राम, अरूण कुमार रंजन, रामप्रवेश सिंह, अवध किशोर, राजकुमार ,डोमन यादव सहित दर्जनों इंडिया महागठबंधन के कार्यकताओं ने बंदी में शामिल होकर चक्का दोपहर तक बाजार बंद व चक्का जाम कराया। पुलिस की रही पैनी नजर आंदोलन कारियों पर हसपुरा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, एस आई पवन कुमार, पीएस-ाआई सुगंध कुमार, एएसआई मो. इम्तियाज अहमद सहित दर्जनों पुलिस बल बंद करा रहे कार्यकताओं पर पैनी नजर रखे हुए थे। इंडिया महागठबंधन कार्यकर्ता।

नोटबंदी की तर्ज पर एनडीए सरकार के ईशारे पर बिहार में वोट बंदी लागू करने में जुटी है चुनाव आयोग : राजेश रमण

बिहार बंद का मुंगेर व जमालपुर में दिखा मिला-जुला असर

जमालपुर।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा कराई जा रहे विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण 2025 के विरोध में इंडिया गठबंधन की ओर से पुरजोर विरोध प्रदर्शन किया गया। मुंगेर जिला मुख्यालय एवं जमालपुर नगर व प्रखंड क्षेत्र में बिहार बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। इंडिया गठबंधन की ओर से जमालपुर नगर तथा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बिहार बंद कार्यक्रम के लिए प्रभारी बनाए गए राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रमंडल प्रभारी राजेश रमण उर्फ राजू यादव के संयोजक में तथा शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष साईं शंकर, नगर राजद अध्यक्ष बमबम यादव तथा कम्युनिस्ट पार्टी अंचल सचिव मुरारी प्रसाद के संयुक्त अगुवाई में जमालपुर के जुबली वेल चौराहा से लेकर रेलवे गेट संख्या 6, ईस्ट कॉलोनी, नयागांव आशिकपुर के अलावा जमालपुर-सफियाबाद मुख्य मार्ग पर दरियापुर, दौलतपुर सहित अन्य भागों में यातायात सेवा ठप कराया। इस दौरान इंडिया गठबंधन के नेताओं ने जमालपुर के सदर बाजार, केशोपुर और आशिकपुर में बाजार बंद कराया। बंद के दौरान कई

बार पुलिस प्रशासन के द्वारा इंडिया गठबंधन के नेताओं को हटाने का प्रयास किया गया। राजेश रमण ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान के नाम पर पारदर्शिता की अनदेखी की जा रही है और गरीब, वंचित, शोषित, दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, अल्पसंख्यक वर्गों के मतदाताओं के नाम को मतदाता सूची से जानबूझकर हटाने का प्रयास चल रहा है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन में संकल्प लिया है कि जब तक सभी वर्गों के साथ न्याय नहीं होगा, तब तक विरोध जारी रहेगा। नोटबंदी की तर्ज पर एनडीए सरकार के ईशारे पर चुनाव आयोग बिहार में वोट बंदी लागू करने में जुटी है। बंद के दौरान व्यापारियों, व्यवसाययों ट्रांसपोर्टर संगठन और आम नागरिकों के सहयोग के लिए राजेश रमण ने धन्यवाद दिया। साईं शंकर और बमबम यादव ने कहा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इशारे पर चुनाव आयोग द्वारा बिहार के प्रवासी मजदूर एवं आम मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाने की हिटलर शाही चाल को बेनकाब कर कर रहेंगे। मौके पर कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव अशोक मंडल, आर के मंडल रविंद्र कुमार रवि, नागेश्वर यादव, संजय सिंह यादव,आलोक कुमार,मयंक राज, अमित मंडल, विनय यादव, चन्दन कुमार, रिटायर्ड अकाउंट ऑफिसर विवेकानंद यादव,अशोक यादव ,अरुण यादव, राकेश चौधरी, विमल कुमार, मंतोष कुमार के साथ और कार्यकर्ता मौजूद थे। उधर, सफियाबाद मुंगेर मुख्य मार्ग पर जनाधिकार पार्टी के जिला अध्यक्ष पप्पी कुमार उर्फ पप्पू के नेतृत्व में जाप कार्यकताओं ने सड़क जाम कर मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध जताया। मौके पर मुख्य रूप से मौजूद जाप के प्रदेश महासचिव मो फैजल रूमी ने कहा कि बिहार में वोट बंदी लागू करने की जगत में है चुनाव आयोग जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दोपहर बाद सामान्य हुआ यातायात, खुलने लगी दुकान

इंडिया गठबंधन के द्वारा आहूत बिहार बंद में आम लोगों ने अपना सहयोग दिखाया। कुछ घंटे तक बाजार में अधिकांश दुकानें बंद रही। दोपहर बाद सभी दुकानें सामान्य रूप से खुलने लगी। जमालपुर-मुंगेर मुख्य पथ पर तथा जमालपुर-धरहरा मार्ग पर यातायात सेवा दोपहर बाद सामान्य रूप से बहस हो गया।

जिले के सभी 11 प्रखंडों में DAP, NPK तथा यूरिया उर्वरक की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- खरीफ मौसम 2025-26 के दौरान किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरकों की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। जिला कृषि पदाधिकारी, औरंगाबाद के निदेर्शानुसार सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारियों एवं पंचायत स्तर पर कार्यरत समन्वयकों को अपने प्रभार क्षेत्र में उपलब्ध उर्वरकों का समुचित वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। वर्तमान में औरंगाबाद जिले के सभी 11 प्रखंडों में DAP, NPK तथा यूरिया उर्वरक की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। औरंगाबाद प्रखंड में 339.85 मीट्रिक टन DAP, 1211.775 मीट्रिक टन NPK तथा 2597.4 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। बारुण प्रखंड में 186.50 मीट्रिक टन DAP, 521.3 मीट्रिक टन NPK तथा 858.42 मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण किया गया है। ओबरा प्रखंड में 96.35 मीट्रिक टन DAP, 506.5 मीट्रिक टन ठढङ तथा 952.462 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। दाउदनगर प्रखंड में 269.975 मीट्रिक टन DAP, 475.5 मीट्रिक टन NPK तथा 926.635 मीट्रिक टन यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। रफीगंज प्रखंड में 170.90 मीट्रिक टन DAP, 177.55 मीट्रिक टन NPK तथा 551.07 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। गोह प्रखंड में 168.65 मीट्रिक टन ऊअढ, 383.95 मीट्रिक टन ठढङ तथा 881.06 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। कलेर प्रखंड में 173.65 मीट्रिक टन DAP, 442.05 मीट्रिक टन ठढङ तथा 1015.51 मीट्रिक टन यूरिया की व्यवस्था की गई है। मदनपुर प्रखंड में 132.55 मीट्रिक टन DAP, 313.45 मीट्रिक टन ठढङ तथा 803.42 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। देव प्रखंड में 129.85 मीट्रिक टन DAP, 185.5 मीट्रिक टन NPK तथा 778.995 मीट्रिक टन यूरिया का भंडारण किया गया है। कुटुंबा प्रखंड में 94.00 मीट्रिक टन DAP, 148.5 मीट्रिक टन ठढङ तथा 783.73 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। नवीनगर प्रखंड में 260.95 मीट्रिक टन DAP, 368.95 मीट्रिक टन NPK तथा 988.338 मीट्रिक टन यूरिया की व्यवस्था की गई है। जिले में कुल 1947.23 मीट्रिक टन DAP, 4684.3 मीट्रिक टन NPK तथा 10832.215 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी गई है। किसानों को सूचित किया जाता है कि सभी अधिकृत विक्रय केंद्रों पर उर्वरकों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है। यदि किसी किसान को उर्वरक प्राप्त करने में कठिनाई होती है तो वे अपने संबंधित प्रखंड कृषि पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं अथवा जिला स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06186469430 पर संपर्क कर सकते हैं। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया है कि सभी अधिकृत खुदरा विक्रेताओं द्वारा उर्वरकों की बिक्री पारदर्शी एवं नियमानुसार सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या कृत्रिम अभाव की स्थिति न उत्पन्न हो।

चंपानगर मे आयोजित हुआ बिहार बदलाव सभा

दिव्य दिनकर

भागलपुर स्थानीय मसकन्द ठाकुरबाड़ी, चंपानगर, भागलपुर मे प्रोफेसर देबज्योति मुखर्जी द्वारा जनसुराज बिहार बदलाव सभा का भव्य आयोजन किया गया । सभा को संबोधित करते हुए प्रोफेसर मुखर्जी जनसुराज के अब तक की यात्रा पर प्रकाश डाला और जनसुराज कैसे मुद्दाविहीन राजनीति को जनहित मुद्दो पर लाकर केन्द्रित कर दिया है इस पर भी चर्चा की । चुनाव अभियान समिति के इंजीनियर राकेश कुमार जनसुराज किस तरह तीसरे विकल्प के रूप मे मतदाता के सामने उपस्थित हुआ है उस पर चर्चा किए । प्रमंडलीय पर्यवेक्षक आदित्य नारायण झा ने बिहार की वर्तमान दुर्दशा तथा उसके निदान के लिए जनसुराज द्वारा सुझाए गए रास्ते पर विस्तृत चर्चा की । सम्राट सरखेल बुनकर के समस्याओ को सभा के सामने रक्खा । सदानंद ने समाज मे व्याप्त असमानता पर चिंता जताई तथा उसे दूर करने के लिए सामुहिक प्रयास की जरूरत पर जोर डाला । उन्होने प्रोफेसर देबज्योति से तीखा सवाल किए और देबज्योति ने उसका सीधा और सपाट जवाब देकर सभी का दिल जीत लिया । समाज मे जागरूक 20 प्रबुद्ध व्यक्ति को अंगवस्त्र से सम्मान किया गया । सभा का संचालन रीतेश घोष ने किया, धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष छोटेलाल साह का रहा । सभा मे रूबी चक्रबर्ती, साजन दास, संजय दास, महेश दास, नीरज यादव, निर्मल कुमार, मंजर आलम, निताई, अनिल कुमार, परितोष, भास्कर, गुरुदत्त, मनोज, आदि उपस्थित रहे ।

विवादास्पद चार श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का भाग्य दांव पर

>> विचार

"युद्ध द्वारा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने के अपने इरादे से पीछे हटने का एक प्रमुख कारण राष्ट्रीय श्रमिक सम्मेलन द्वारा 20 मई, 2025 को अखिल भारतीय श्रमिक हड़ताल का आह्वान किया जाना था, जो सामान्य रूप से केंद्र की श्रम-विरोधी नीतियों और विशेष रूप से नये श्रम संहिताओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण के खिलाफ अपने दो महीने के श्रमिक अभियान के समापन पर आयोजित था। श्रमिक आंदोलन का आह्वान उनकी 17सूत्री मांगों पर जोर देने के लिए किया गया था। इस बीच, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य जवाबी कार्रवाई की

डॉ. ज्ञान पाठक

पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्य उन राज्यों में से हैं जो श्रम संहिताओं के तहत विभिन्न प्रावधानों पर आपत्ति जता रहे हैं। केंद्र सरकार का इरादा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने का था, क्योंकि लगभग 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही चार संहिताओं के अनुरूप मसौदा नियम प्रकाशित कर दिये थे और लगभग 20 ने उन परिवर्तनों को लागू कर दिया था। देश भर के औद्योगिक क्षेत्रों से मिल रहे सभी संकेत बताते हैं कि 9 जुलाई, 2025 को अखिल भारतीय मज़दूर हड़ताल एक निर्णायक दौर होगा, जिसके परिणाम, चाहे अच्छे हों या बुरे, मज़दूर संघों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार दोनों को ही भुगतने होंगे और उनसे निपटना होगा। इस आम हड़ताल की सफलता या विफलता चार विवादास्पद श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का भाग्य तय कर सकती है, जिन्हें फिलहाल रोक रखा गया है, लेकिन केंद्र उन्हें जल्द से जल्द लागू करना चाहता है। भारत के लिए चीन ही है सबसे बड़ा खतरा केंद्र की कार्रवाइयों में जो विरोधाभास देखा जा रहा है, उसने मज़दूरों को सरकार की असली मंशा के बारे में सबसे ज़्यादा आशंकित कर दिया है। सरकार ने चार श्रम संहिताओं -एक 2019 में भारत की संसद में पारित होने के बाद, और तीन 2020 में -को कई कारणों से रोक रखा है, जिसमें अखिल भारतीय हड़ताल की कार्रवाई सहित अनेक विरोध प्रदर्शन सहित कामगारों का कड़ा विरोध, केंद्र और राज्यों के अपने नियमों के साथ तैयार न होना, और भारतीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा आवश्यक उपाय के साथ तैयार न रहना शामिल है। हालांकि, सरकार श्रम कानूनों के वर्तमान ढांचे में संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों को लागू कर रही है।

मौजूदा श्रम कानूनों में न केवल केंद्रीय स्तर पर बल्कि राज्य स्तर पर भी संशोधन किये जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, कई राज्य सरकारों ने महिलाओं के लिए रात की पाली में काम करने, निश्चित अवधि के रोजगार की अनुमति देने के लिए श्रम कानूनों में संशोधन और कारखाना अधिनियम, अनुबंध श्रम अधिनियम और औद्योगिक विवाद अधिनियम जैसे श्रम कानूनों की प्रयोज्यता के लिए श्रमिकों की सीमा बढ़ाना शामिल है, जिससे नियोक्ताओं को 'नौकरी पर रखने और निकालनेइ की खुली छूट मिल गयी है।

पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्य उन राज्यों में से हैं जो श्रम संहिताओं के तहत विभिन्न प्रावधानों पर आपत्ति जता रहे हैं। केंद्र सरकार का इरादा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने का था, क्योंकि लगभग 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही चार संहिताओं के अनुरूप मसौदा नियम प्रकाशित कर दिये थे और लगभग 20 ने उन परिवर्तनों को लागू कर दिया था। फिर भी, 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के कड़े विरोध और सरकार का समर्थन करने वाले भारतीय मजदूर संघ द्वारा भी कुछ प्रावधानों पर व्यक्त की गयी कुछ आपत्तियों के कारण अधिसूचना को स्थगित कर दिया गया था।

युद्ध द्वारा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने के अपने इरादे से पीछे हटने का एक प्रमुख कारण राष्ट्रीय श्रमिक सम्मेलन द्वारा 20 मई, 2025 को अखिल भारतीय श्रमिक हड़ताल का आह्वान किया जाना था, जो सामान्य रूप से केंद्र की श्रम-विरोधी नीतियों और विशेष रूप से नये श्रम संहिताओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण के खिलाफ अपने दो महीने के श्रमिक अभियान के समापन पर आयोजित था। श्रमिक आंदोलन का आह्वान उनकी 17सूत्री मांगों पर जोर देने के लिए किया गया था। इस बीच, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य जवाबी कार्रवाई की, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों - इंटक, एटक, हिमस, सीटू, एआईटीयूसी, टीयूसीसी, सेवा, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ, और यूटीयूसी - और स्वतंत्र क्षेत्रीय संघों के संयुक्त मंच ने 15 मई को नई दिल्ली में स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक की और 9 जुलाई को होने वाली मजदूरों की हड़ताल को पुनर्निर्धारित करने का फैसला किया। 9 जुलाई को होने वाली अंतिम अखिल भारतीय हड़ताल के लिए 20 जून से 8 जुलाई तक पूरे देश में विरोध गतिविधियों के साथ एक तैयारी आंदोलन कार्यक्रम की भी घोषणा की गयी थी। अब तक के तैयारी आंदोलन कार्यक्रम बहुत प्रभावशाली रहे हैं, और इसलिए कोई यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि 9 जुलाई की मजदूरों की हड़ताल बहुत बड़ी होगी। बैंक और बीमा यूनियनों ने देशव्यापी हड़ताल में भाग लेने की घोषणा की है। उनकी प्रमुख मांगों में निजीकरण को रोकना, एफडीआई वृद्धि का विरोध और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करना शामिल है। संयुक्त किसान मोर्चा सहित किसान और खेत मजदूर संघ भी मजदूरों की हड़ताल में भाग लेंगे, जो देश भर में सड़कों और गलियों में अपनी उपस्थिति के साथ 9 जुलाई की हड़ताल को और भी मजबूत बना देगा। सरकार समर्थित बीएमएस इस हड़ताल में भाग नहीं लेगा। वे न तो हड़ताल का विरोध कर रहे हैं और न ही समर्थन कर रहे हैं, जो 9 जुलाई की हड़ताल को और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। कई अन्य श्रमिक संगठन और कर्मचारी संघ भाग लेने के लिए कूद पड़े हैं। बिहार में विपक्षी महागठबंधन (इंडिया ब्लॉक) दलों ने 9 जुलाई की हड़ताल में भाग लेने का फैसला किया है और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। आरजेडी और सीपीआई (एम)एल ने पहले ही पूरे राज्य में 9 जुलाई को अपने आंदोलन कार्यक्रम तैयार कर लिए हैं। कई खदानों और कोलियारियों के कर्मचारी भी इस हड़ताल में भाग लेने जा रहे हैं। 9 जुलाई की हड़ताल की यह भी एक नयी विशेषता है, क्योंकि परंपरागत रूप से उनके अपने आंदोलन कार्यक्रम होते हैं। ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन ने भी हड़ताल का समर्थन किया है। देश भर में आयोजित किये जा रहे तैयारी संबंधी आंदोलन कार्यक्रमों से संकेत मिलता है कि 9 जुलाई की हड़ताल देश की सबसे बड़ी हड़तालों में से एक हो सकती है, जिसमें 20 करोड़ से अधिक कर्मचारी भाग ले सकते हैं। यह हड़ताल भारत में अब तक हुई 22 देशव्यापी आम हड़तालों में से किसी अन्य हड़ताल की तरह नहीं है, बल्कि इसका विशेष महत्व है, क्योंकि यह श्रमिकों के मूल अधिकारों, जैसे संगठित होने और सामूहिक कार्रवाई करने के उनके अधिकार, तथा सरकार की श्रमिक-विरोधी और कॉर्पोरेट-समर्थक नीतियों के विरुद्ध उनकी एकता और संघर्ष की रक्षा करना चाहती

संपादकीय

बिहार में कानून का राज्य ध्वस्त

बिहार में पिछले कुछ दिनों के भीतर आपराधिक घटनाओं में जैसी तेजी आई है, उससे यही लगता है कि सरकार के हाथ से सब कुछ छूट गया है और अपराध को अंजाम देने वाले बेलगाम हैं। पिछले हफ्ते पटना में एक व्यवसायी और सीवान में तीन लोगों की हत्या की घटना से उपजा तूफान अभी शांत भी नहीं हुआ था कि सोमवार को राज्य में चौबीस घंटे में नौ लोगों की हत्या कर देने की घटनाएं सामने आईं। सबसे दहलाने वाली खबर पूर्णिया जिले के टेटमा गांव से आई, जहां 'जादू-टोना' के संदेह में एक ही परिवार के पांच लोगों को क्रूरता से मारा-पीटा गया और फिर जिंदा जला दिया गया। इस घटना की जड़ें अंधविश्वास और अराजकता से जुड़ी हुई हैं, जिसमें कहीं से ऐसा नहीं लगता कि वहां सरकारी तंत्र की मौजूदगी रही हो या फिर वहां लोगों के भीतर पुलिस या कानून का कोई भय हो। गौरतलब है कि एक बच्चे की बीमारी नहीं ठीक हो पाने के बाद कुछ लोगों ने 'डायन' बता कर एक ही परिवार के पांच लोगों की जान ले ली। इस घटना के दौरान वहां दो सौ से ज्यादा लोगों की भीड़ मौजूद थी और अराजकता चरम पर थी। निश्चित तौर पर यह कानून-व्यवस्था की नाकामी है, लेकिन हकीकत यह भी है कि बहुत सारे लोगों को अंधविश्वास के अंधेरे में जीने-मरने के लिए छोड़ दिया गया है! एक ओर, विज्ञान की उपलब्धियों के रोज नई ऊंचाइयों को छूने का जश्न मनाया जाता है, वहीं वैज्ञानिक चेतना से दूर बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास में आकर किसी की हत्या करने से भी नहीं हिचकते। जबकि यह उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा कर सकता है और कई लोगों की जिंदगी जेल में कट सकती है। 'डायन' जैसे अंधविश्वास की वजह से आए दिन वंचित तबकों की महिलाओं की हत्या कर दिए जाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यह फसोसनाक है कि ऐसे मौकों पर सरकार कानूनी कार्रवाई की औपचारिकता तो पूरी करती दिखती है, लेकिन इस समस्या की जड़ों पर चोट करने के लिए बहुत सक्रिय नहीं होती। जब तक समाज में अंधविश्वास पर आधारित धारणाओं को दूर करने के लिए ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम नहीं किया जाता, तब तक लोगों को इसके मकड़जाल से निकालना मुश्किल होगा।

बढ़ते युद्धों के बीच खतरे में धरती की जीवनदायिनी क्षमता

भारत डोगरा

युद्ध, तनाव और हथियारों की होड़ ऐसे दौर में बढ़ रहे हैं जब अति गंभीर पर्यावरण समस्याओं के कारण धरती की जीवनदायिनी क्षमताएं ही खतरे में पड़ चुकी हैं। समय रहते विश्व पर्यावरणीय स्थिति को संभालना धरती के जीवन की रक्षा के लिए जरूरी है और यह जिम्मेदारी निभाने के लिए जिस अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है वह अमन-शांति की स्थापना के बिना प्राप्त नहीं हो सकता है।

स्टॉकहोम रेसिलियंस सेंटर के वैज्ञानिकों के अनुसंधान ने हाल के समय में धरती के सबसे बड़े संकटों की ओर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया है। यह अनुसंधान बहुत चर्चित रहा है। इस अनुसंधान में धरती पर जीवन की सुरक्षा के लिए नौ विशिष्ट सीमा-रेखाओं की पहचान की गई है जिनका अतिक्रमण मनुष्य की क्रियाओं को नहीं करना चाहिए। गहरी चिंता की बात है कि इन नौ में से तीन सीमाओं का अतिक्रमण होना आरंभ हो चुका है। यह तीन सीमाएं है- जलवायु बदलाव, जैव-विविधता का ह्रास और भूमंडलीय नाईट्रोजन चक्रमें बदलाव।

इसके अतिरिक्त चार अन्य सीमाएं ऐसी हैं जिनका अतिक्रमण होने की संभावना निकट भविष्य में है। यह चार क्षेत्र हैं- भूमंडलीय फासफोरस चक्र, भूमंडलीय जल उपयोग, समुद्रों का अम्लीकरण और भूमंडलीय स्तर पर भूमि उपयोग में बदलाव। यह विभिन्न संकट अनेक स्तरों पर एक दूसरे से मिले हुए हैं और एक सीमा (जिसे प्रायः टिपिंग पाईंट कहा जा रहा है) पार करने पर धरती की जीवनदायिनी क्षमता की इतनी क्षति हो सकती है कि उसे लौटा पाना कठिन होगा।इन पर्यावरणीय समस्याओं के अतिरिक्त धरती की जीवनदायिनी क्षमता को सबसे बड़ा खतरा महाविनाशक हथियारों विशेषकर परमाणु हथियारों से है। इस समय विश्व में लगभग 13000 परमाणु हथियार हैं। मानवीय विकास रिपोर्ट के अनुसार, इस समय केवल अणु हथियारों के भंडार की विनाशक शक्ति बीसवीं शताब्दी के तीन सबसे बड़े युद्धों के कुल विस्फोटकों की शक्ति से सात सौ गुणा अधिक है।दरअसल हजारों की बात तो रहने दें, यदि कुछ सौ परमाणु हथियारों का भी उपयोग कभी हो गया तो करोड़ों लोग तो तुरंत मारे जाएंगे और करोड़ों अन्य लोग तिल-तिल कर बाद में मरते रहेंगे। इसके बाद दूर-दूर तक ऐसे पर्यावरणीय और मौसमी बदलाव आएंगे जिनमें अधिकांश बचे हुए मनुष्यों और जीवों के लिए भी अस्तित्व बचाए रखना लगभग असंभव होगा।प्रायः यह कहा जाता है कि किसी भी चीज को बनाना कठिन है, नष्ट करना आसान है पर परमाणु हथियारों पर यह कहावत कतई लागू नहीं होती है। इन्हें बनाना जितना कठिन है, इन्हें असरदार ढंग से नष्ट करना कई बार उससे भी कठिन और महंगा सिद्ध हो सकता है।वर्ष 1987, 1991 और 1993 में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ (या रूस) के बीच तीन महत्वपूर्ण समझौते अणु शस्त्रों और अन्य शस्त्रों को कम करने के बारे में हुए जिनका व्यापक स्तर पर स्वागत किया गया और जिनसे अनेक लोगों में यह विश्वास उत्पन्न हुआ कि अब काफी बड़े पैमाने पर अणु शस्त्र इन दोनों देशों में नष्ट किये जा रहे हैं।लेकिन वास्तविक स्थिति को स्पष्ट करने हुए मानवीय विकास रिपोर्ट 1994 ने यह जानकारी दी, "इन संधियों से तनाव कम तो हुआ है पर इनकी महत्त्वपूर्ण सीमाएं हैं। इनमें बताया गया है कि कुछ हथियारों या वारहैडों को इन्हें शत्रु तक पहुंचाने वाले वाहकों या प्रक्षेपास्त्रों से अलग कर दिया जाए, पर इनमें यह निर्देश नहीं दिया गया है कि वारहैड को ही नष्ट कर दिया जाए।" आगे यह रिपोर्ट और भी सटीक शब्दों में बताती है- "न तो संयुक्त राज्य अमेरिका के पास और न ही रूस के पास एक तकनीकी और राजनीतिक दृष्टि से मान्य योजना है जिसके तहत वारहैडों के विभिन्न हिस्सों को अलग किया जाए और नाभिकीय हिस्सों को नष्ट किया जाए, अतः यह वारहैड आने वाली पीढ़ियों के लिए एक खतरा बने रहेंगे, यही संभावना है।"परमाणु हथियारों के संदर्भ में पिछले लगभग पांच वर्षों में विश्व में स्थिति और विकट हुई है। परमाणु हथियारों के और आधुनिकीकरण और मजबूती के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने निवेश को बहुत बढ़ाया और इसके बाद रुस और चीन ने भी ऐसा ही किया। इसके अतिरिक्त अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों पर नियंत्रण के जो समझौते हुए हैं, उनमें से एक महत्त्वपूर्ण समझौते का नवीनीकरण वर्ष 2019 में नहीं हो सका और कुछ अन्य समझौतों के नवीनीकरण की संभावना भी धूमिल होती जा रही हैं।बढ़ते युद्ध और तनाव के हाल के दौर में पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान और निशस्त्रीकरण की संभावनाएं पीछे हटती गई हैं। अब समय आ गया है कि विश्व शांति और पर्यावरण रक्षा की बड़ी जिम्मेदारियों को एक साथ जोड़ते हुए, समता और न्याय के लिए प्रतिबद्धता को बढ़ाते हुए, एक बड़ा जन अभियान विश्व स्तर पर धरती की जीवनदायिनी क्षमता की रक्षा के लिए आंरभ हो।

युवाओं के लिए व्यक्तिगत संचय की अनिवार्यता

संजय अग्रवाला

वर्तमान समय में, जब आर्थिक अस्थिरता, बदलते बाजार और अनिश्चित भविष्य हर व्यक्ति के सामने खड़ा है, व्यक्तिगत संचय की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। खासकर युवाओं के लिए यह न केवल उनके आर्थिक सशक्तिकरण का साधन है, बल्कि भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने का एक अचूक उपाय भी है। व्यक्तिगत संचय का अर्थ केवल धन संचय तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका विस्तार मानसिक, शारीरिक और सामाजिक संचय तक भी होता है। आज के युग में, जहाँ भौतिक सुख-सुविधाएँ और उपभोक्तावादी संस्कृति का वर्चस्व है, युवा वर्ग अक्सर अपने भविष्य को नजरअंदाज करते हुए वर्तमान पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। नए गैजेट्स, ब्रांडेड वस्त्र, फैंसी जीवनशैली और दिखावे की प्रवृत्ति उन्हें अपने आय और खर्चों के बीच संतुलन स्थापित करने से रोकती है। इस प्रवृत्ति का परिणाम यह होता है कि वे न तो कोई वित्तीय संचय कर पाते हैं और न ही किसी आपात स्थिति के लिए तैयार रहते हैं। यही कारण है कि व्यक्तिगत संचय के महत्व को समझना और उसे अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना युवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है। व्यक्तिगत संचय का सबसे पहला चरण वित्तीय संचय से शुरू होता है। हर युवा को अपने प्रारंभिक करियर से ही बचत करने की आदत डालनी चाहिए। यह आदत न केवल उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाती है, बल्कि उनके भविष्य की योजनाओं को भी साकार करने में सहायक होती है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई युवा मासिक वेतन का 20-30 प्रतिशत हिस्सा बचत के रूप में अलग रखता है, तो कुछ वर्षों में यह एक बड़ा धनराशि बन सकता है, जो उसे घर खरीदने, व्यवसाय शुरू करने या किसी आपातकालीन स्थिति में उपयोग करने में मदद करेगा। फाइनेंशियल प्लानिंग के साथ-साथ, निवेश की समझ विकसित करना भी जरूरी है। आज के दौर में, केवल बचत करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही जगह निवेश करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। म्युचुअल फंड, शेयर बाजार, बॉन्ड और अन्य निवेश विकल्पों के माध्यम से युवा अपने धन को बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही, जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा जैसी योजनाएँ उन्हें आकस्मिक जोखिमों से बचाती हैं। वित्तीय संचय के अलावा, युवाओं को मानसिक और शारीरिक संचय पर भी ध्यान देना चाहिए। आज के तेज रफ्तार जीवन में मानसिक तनाव एक आम समस्या बन चुकी है। कार्यक्षेत्र का दबाव, रिश्तों की उलझनें और जीवन की अन्य परेशानियाँ युवाओं को मानसिक रूप से कमजोर बना देती हैं। ऐसे में, नियमित ध्यान, योग और आत्मनिरीक्षण जैसी गतिविधियाँ मानसिक संचय का माध्यम बन सकती हैं। मानसिक स्थिरता न केवल बेहतर निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है, बल्कि जीवन में आने वाली हर चुनौती का सामना करने की शक्ति भी देती है। शारीरिक संचय की बात करें तो यह युवाओं के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि वित्तीय और मानसिक संचय। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। एक संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद, शारीरिक संचय को मजबूत करने के मुख्य स्तंभ हैं। युवा अवस्था में किए गए प्रयास, उनके पूरे जीवन पर प्रभाव डालते हैं। एक मजबूत और स्वस्थ शरीर न केवल कार्यक्षमता को बढ़ाता है, बल्कि जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसित करता है। इसके अतिरिक्त, सामाजिक संचय का महत्व भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज के युग में, जहाँ नेटवर्किंग का महत्व बढ़ गया है, युवाओं को अपने सामाजिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी काम करना चाहिए। अच्छे और सशक्त रिश्ते न केवल भावनात्मक सहारा प्रदान करते हैं, बल्कि पेशेवर जीवन में भी सहायक होते हैं। किसी भी संकट या चुनौती के समय, मजबूत सामाजिक नेटवर्क एक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है। युवाओं के लिए व्यक्तिगत संचय को केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक अनिवार्य प्रक्रिया के रूप में अपनाना चाहिए। यह एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण है, जो उन्हें न केवल आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाता है, बल्कि उनके मानसिक, शारीरिक और सामाजिक जीवन को भी सुदृढ़ करता है। यह समझना जरूरी है कि संचय का अर्थ केवल वर्तमान को त्यागकर भविष्य के लिए बचत करना नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वर्तमान और भविष्य के बीच एक सामंजस्य स्थापित करना है। युवा अवस्था जीवन का वह चरण है, जब व्यक्ति के पास ऊर्जा, समय और अवसर होते हैं। यदि इस समय को सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह भविष्य में सफलता और संतोष का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। व्यक्तिगत संचय के माध्यम से, युवा न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी योगदान दे सकते हैं। अंततः, व्यक्तिगत संचय केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक जीवन शैली है, जिसे युवाओं को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जो उन्हें जीवन में स्थिरता, सुरक्षा और संतोष प्रदान करती है। आज का युवा यदि इस दिशा में पहल करता है, तो वह न केवल अपने लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकता है।

[लेखक पिछले 18 वर्षों से वाणिज्य-अर्थशास्त्र के शिक्षक, वित्तीय एवं कर सलाहकार हैं]

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

लेवल क्रॉसिंग गेटों की संरक्षा की जांच हेतु 15 दिवसीय निरीक्षण अभियान

रेल मंत्री ने किया रिव्यू, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समपार फाटकों की सुरक्षा व्यवस्था को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और बोर्ड के सदस्यों तथा जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों के साथ रिव्यू किया । अपने पिता के निधन के एक दिन बाद ही व्यक्तिगत शोक और अंतिम संस्कार की व्यस्तताओं के बीच रेलमंत्री ने रेलवे की महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। समीक्षा में लेवल क्रॉसिंग गेट सुरक्षा के विषय पर गहन विचार-विमर्श किया गया। रेल मंत्री ने इस संबंध में 11 महत्वपूर्ण निर्णय लिए। सभी लेवल क्रॉसिंग गेट (LC) गेटों पर सीसीटीवी कैमरे तथा रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाए जाएं। बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सौर पैनल, बैटरी बैकअप, यूपीएस आदि के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। यह कार्य मिशन मोड में पूरा किया जाए। सड़क यातायात के लिए बंद (Close to Road Traffic) गेटों को सड़क यातायात के लिए खुले (Open to Road Traffic) गेटों में बदलने के लिए नीति की समीक्षा की जाएगी।

छउ गेटों के इंटरलॉकिंग कार्यों को मिशन मोड में त्वरित गति से पूरा किया जाएगा। रेलवे पीएसयू को इंटरलॉकिंग कार्यों और निर्माण कार्यों में शामिल किया जाएगा। टीवीयू (TVU) की सीमा घटाई गई है। अब 10,000 व्श्व पर ही इंटरलॉकिंग प्रारंभ की जाएगी। पहले यह सीमा 20,000 थी। 10,000 TVU से अधिक वाले सभी गेटों पर ROB/RUB/LHS योजनाओं से भिन्न होकर भी इंटरलॉकिंग अनिवार्य होगी। गैर-इंटरलॉक गेटों पर प्रतिदिन दो यादृच्छिक आवाज रिकॉर्डिंग जांच प्रति डिवीजन की जाएगी। गैर-इंटरलॉक गेटों पर वॉयस लॉगर सिस्टम की कार्यशीलता की पुष्टि सभी DRM द्वारा की जाएगी। सभी छउ गेटों पर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड आदि को मानकीकृत किया जाएगा और आवश्यक सुधार किए जाएंगे। लेवल क्रॉसिंग गेटों को समाप्त करने हेतु रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज तथा लो हाइट पुलों के निर्माण कार्यों को तेज किया जाएगा। उन गेटों की सूची तैयार की जाएगी जहां विवाद या जनता द्वारा दबाव/मारपीट की घटनाएं होती हैं। वहां रेल सुरक्षा बल/होमगार्ड की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही ब्लॉक सेक्शनों में लेबल क्रासिंग गेटों पर 15-दिवसीय सुरक्षा निरीक्षण अभियान भी शुरू कर दिया गया है।

ट्रक लूटकांड का आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार

नौ साल से था फरार आरोपी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। ट्रक लूटकांड में फरार एक अभियुक्त को दाउदनगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान लखीसराय जिले के तेतरहाट थाना क्षेत्र के शर्मा निवासी रामाशीष सिंह के पुत्र मनीष कुमार के रूप में की गई हैं। इसका आपराधिक इतिहास रहा हैं, इसके खिलाफ लखीसराय थाना में चार और तेतरहाट थाना में तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। दरअसल, 06.09.2016 को दाउदनगर थाना क्षेत्र के जिनोरिया के पास से एक ट्रक लुट लिया गया था। कांड की गंभीरता के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में दाउदनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन पूर्व में किया गया था। गठित एसआईटी के द्वारा पूर्व में इस कांड में संलिप्त तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में भेजा जा चुका हैं जबकि एक अन्य अभियुक्त ने पुलिस दबिश पर न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इसी क्रम में तकनीकी विश्लेषण, आसूचना संकलन एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गठित विशेष टीम के लगातार प्रयास से उक्त कांड के अभियुक्त मनीष कुमार को घर से गिरफ्तार किया गया। दाउदनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषि राज ने बताया कि एक ट्रक लूटकांड के अभियुक्त को नौ साल बाद गिरफ्तार किया गया हैं। गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना अपराध स्वीकार किया हैं। इसका आपराधिक इतिहास रहा हैं। आवश्यक कार्रवाई के उपरांत अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

गोह में पंचायत उपचुनाव संपन्न हुआ

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह। गोह प्रखंड में पंचायत उपचुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। प्रखंड के मलहद ग्राम कचहरी के सरपंच एवं फाग ग्राम पंचायत के पंसस क्षेत्र संख्या 23 के लिए मतदान हुआ। कुल 40.2 फीसदी मतदान हुआ। मलहद पंचायत में 14 एवं फाग पंचायत में 7 मतदान केंद्र बनाया गया है। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम था। सभी बूथों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मलहद ग्राम कचहरी सरपंच के लिए तीन एवं फाग पंचायत समिति पद के लिए भी तीन प्रत्याशी चुनाव मैदान में खड़े हैं।

नोटबंदी के बाद अब वोट बंदी स्वीकार नहीं की जाएगी

दुलारे मुखिया सह पैक्स अध्यक्ष - बिजेंद्र यादव

मतदाता पुनरीक्षण कार्य के विरोध में उतरे महागठबंधन के कार्यकताओं के साथ भाग लिया दुलारे मुखिया सह पैक्स अध्यक्ष - बिजेंद्र यादव

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद - मुख्यालय स्थित रमेश चौक पर महागठबंधन के नेताओं द्वारा 9 जुलाई को बिहार बंद के मौके पर विपक्षी दलों के कार्यकताओं एवं समर्थकों ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य के विरोध में उतरे महागठबंधन के कार्यकताओं ने बिहार बंद के दौरान औरंगाबाद शहर के रमेश चौक पर रोक कर घंटो प्रदर्शन किया उसके बाद राजमार्ग पर भी कई घंटे तक महागठबंधन के कार्यकर्ता जाम कर दिए पुलिस मौके पर पहुंचे लोगों को समझा बुझा कर अलग किया उसके बाद बंद समर्थक औरंगाबाद के सड़कों पर उतरकर यातायात को रोक कर बिहार सरकार तथा केंद्र सरकार के खिलाफ में जमकर नारेबाजी करते हुए चुनाव आयोग पर कई गंभीर आरोप लगाया है बिजेंद्र यादव ने बताया कि नोटबंदी के बाद अब वोट बंदी स्वीकार नहीं की जाएगी केंद्र सरकार और बिहार सरकार की मनमानी अब नहीं चलेगी जिसको लेकर के इंडिया गठबंधन के सभी दल के नेताओं ने सड़कों पर उतरकर जमकर विरोध प्रदर्शन जाताया है। बिहार बंद के दौरान औरंगाबाद में सभी दुकान बंद हैं बंद किया गया है साथ ही साथ बड़े वाहन गाड़ियों का परिचालन बंद किया है जो गाड़ी सड़क पर चल रही है उसे बंद समर्थकों द्वारा जहां-तहां रोक कर गाड़ियों का खड़ा कर दिया और प्रदर्शन किया जा रहा है।

गुरु का महत्व- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हिंदी कैलेंडर के आषाढ़ (जुलाई-अगस्त) माह की पूर्णिमा को ह्यगुरु पूर्णिमाह्न के पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस दिन हम अपने शैक्षिक व आध्यात्मिक गुरुओं का सम्मान करते हैं, उनके प्रति अपनी श्रद्धा व आभार प्रकट करते हैं। इस संसार में जब भी हम कोई विषय सीखना चाहते हैं, तो हम ऐसे इंसान के पास जाते हैं जो उसमें निपुण हो और हमें भी वो विषय पढ़ा सकता हो। इसी प्रकार एक पूर्ण सत्गुरु अध्यात्म के विषय में निपुण होता है, और यदि हम अपना आध्यात्मिक विकास करना चाहते हैं, तो हमें सत्गुरु के पास जाना होता है। इस धरती पर हर समय कोई न कोई पूर्ण सत्गुरु अवश्य मौजूद होते हैं, जो हमें अपने अंतर में मौजूद प्रभु-सत्ता के साथ जुड़ने में मदद करते हैं। प्रत्येक युग में ऐसे संत-महापुरुष आते हैं जो हमारी आत्मा को आंतरिक यात्रा पर ले जाने में समर्थ होते हैं। संत-मत के महापुरुषों ने हमें यही बताया है कि प्रभु की सत्ता किसी न किसी मानव शरीर के माध्यम से कार्य करती है। मनुष्य दूसरे मनुष्य से ही सीखता है। संत-महापुरुष इस दुनिया में इसलिए आते हैं ताकि हमारे स्तर पर आकर हमसे बातचीत कर सकें, आंतरिक अनुभव पाने की विधि के बारे में हमारी भाषा में हमें समझाएँ, तथा व्यक्तिगत स्तर पर हमें उसका अनुभव भी दे सकें। केवल बातें करने से या पढ़ने से हम अध्यात्म नहीं सीख सकते। यह केवल व्यक्तिगत अनुभव से ही सीखा जा सकता है, और वो अनुभव हमें केवल एक पूर्ण सत्गुरु ही प्रदान कर सकता है। नामदान के बाद सत्गुरु हर क्षण शिष्य के साथ रहते हैं और उसे हर प्रकार से सुरक्षित रखते हैं। सत्गुरु का संरक्षण शिष्य के साथ न केवल इस दुनिया में रहता है, बल्कि इससे आगे भी बना रहता है। सत्गुरु शिष्य के कर्मों के भार को अपने ऊपर ले लेते हैं, और हमेशा उसके अंग-संग बने रहते हैं। जब शिष्य के जीवन का अंत होता है, तब भी वे उसके साथ होते हैं और आगे के मंडलों में भी उसके मार्गदर्शक बनते हैं। इस वक्त सत्गुरु हमारे अंतर में प्रकट होते हैं और हमें प्रेम से गले लगा कर रोशनी के मध्य में ले जाते हैं। सत्गुरु दया से भरपूर होते हैं; वे हमें तकलीफ में नहीं देख सकते। सत्गुरु हमें कर्मों के कीचड़ से दूर रहने की शिक्षा देने के लिए इस

संसार में आते हैं। वे चाहते हैं कि हम कर्मों के चक्र से बाहर निकलें, जिसमें उलझकर हम बार-बार इस संसार में आते हैं। वे चाहते हैं कि हम अपने सच्चे पिता के घर वापस लौटें, जहाँ किसी प्रकार की तकलीफ या मृत्यु नहीं है। हमारे जीवनकाल के दौरान भी सत्गुरु हमें कई प्रकार के खतरों से बचाते हैं। हम उनके द्वारा दी गई हर मदद से अवगत भी नहीं होते। हमारी हर तरह से मदद करने के लिए सत्गुरु सदा हमारे अंग-संग रहते हैं, जब तक कि हम परमात्मा में जाकर लीन नहीं हो जाते। एक बार जब हमें पूर्ण सत्गुरु के द्वारा नामदान मिल जाता है, तो वे हमारे दिव्य-चक्षु या तीसरे नेत्र पर विराजमान हो जाते हैं और फिर जीवन के प्रत्येक पहलू में हमें सहायता प्रदान करते हैं। सत्गुरु हमारे सच्चे निःस्वार्थ सहाई होते हैं, और हमारी मदद करने के बदले में अपने लिए कोई भी ईनाम, या किसी भी प्रकार का नाम या यश नहीं चाहते। वे हमारी मदद करते हैं क्योंकि वे हमसे प्रेम करते हैं और उनका अपना हृदय प्रभु-प्रेम से भरपूर होता है।

यदि हम इस मानव चोले के उद्देश्य को पूरा करना चाहते हैं और अपनी आत्मा का मिलाप परमात्मा में करवाना चाहते हैं, तो हमें एक पूर्ण सत्गुरु के चरण-कमलों में आना ही होगा। हमें प्रभु से यही प्रार्थना करनी चाहिए कि वे हमें शीघ्र अति शीघ्र वक्त के पूर्ण सत्गुरु की शरण में पहुँचा दें, ताकि उनके समर्थ मार्गदर्शन में हम जल्द से जल्द अपनी रूहानी यात्रा पूरी कर लें और अपने निजधाम वापस पहुँचकर सदा-सदा के लिए प्रभु में लीन हो जाएँ।

महाप्रबंधक पूर्व मध्य रेल द्वारा पटना-डीडीयू रेलखंड का फुटप्लेट निरीक्षण

हाजीपुर:

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा पटना-डीडीयू रेलखंड का गाड़ी संख्या 12309 राजेन्द्रनगर-नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस के इंजन में लोको पायलट के साथ फुटप्लेट निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने पटना-डीडीयू रेल खण्ड पर संरक्षा, मानसून प्रीकॉशन्स, सिगनलों की दृश्यता, रेलवे ट्रैक के रख-रखाव, ट्रैक की समुचित बैलास्टिंग, ट्रैक स्क्रीनिंग, ओवरहेड ट्रैक्शन व एलाइनमेंट, कॉशन ऑर्डर एवं ट्रैक फिटिंग्स आदि का निरीक्षण किया । इसके साथ ही लोको पायलट द्वारा स्टेशन एवं लेवल क्रासिंग गेट से गुजरते समय स्टेशन मास्टर/गेटमैन के साथ सिगनल का एक्सचेंज कर रहे है या नहीं, कॉशन ऑर्डर का पालन किया जा रहा है या नहीं तथा लोको पायलट द्वारा स्टेशन से बाहर निकलते समय एवं कर्व से गुजरते समय गाड़ी का लुक बैक किया जा रहा है या नहीं, इन सब पहलुओं का भी महाप्रबंधक द्वारा फुटप्लेट के दौरान जायजा लिया गया । महाप्रबंधक ने फुटप्लेट के दौरान राजधानी एक्सप्रेस के लोको पायलट तथा सहायक लोको पायलट को संरक्षा नियमों का पालन करते हुए सजगता से कार्य करने के लिए प्रेरित भी किया ।

ओमैक्स ग्रुप ने पौधरोपण महाभियान में निभाई भागीदारी, ह्यमेट्रो सिटी टाउनशिपह्न में लगाए 25,000 पेड़

राज्य सरकार के ह्यएक पेड़ माँ के नाम 2.0ह्न अभियान को समर्थन, किसान पथ से दिया हरियाली का संदेश

लखनऊ राज्य सरकार के ह्यएक पेड़ माँ के नाम 2.0ह्न थीम के तहत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए ह्यपौधरोपण महाभियान 2025ह्न को समर्थन देते हुए, प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स ग्रुप ने लखनऊ के किसान पथ स्थित अपनी मेट्रो सिटी टाउनशिप में 25,000 पौधे लगाए। यह पहल प्रदेशभर में 37 करोड़ पौधे लगाए जाने वाले ऐतिहासिक अभियान का हिस्सा है। ओमैक्स की इस हरियाली मुहिम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण को संरक्षित करना है, बल्कि ह्यएक पेड़ माँ के नामह्न जैसे भावनात्मक और सामाजिक सरोकार से जुड़े सरकारी प्रयासों को भी मजबूती देना है। इस अभियान में ओमैक्स के कर्मचारियों, टाउनशिप निवासियों और वॉलंटियर्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। *ओमैक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित गोयल* ने कहा उत्तर प्रदेश सरकार के इस कदम की हम सराहना करते हैं और इसे अपना दायित्व समझते हुए आज 25,000 पेड़ लगाए हैं। आने वाले समय में भी ओमैक्स हर उस अच्छे कार्य का हिस्सा बनेगा जो कम्युनिटी की भलाई के लिए हो। यह पौधरोपण पहल न केवल ग्रीन कवर को बढ़ावा देगी, बल्कि शहर के वातावरण को भी शुद्ध करने में अहम भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर अंजनी पांडेय (बिजनेस हेड, ओमैक्स लिमिटेड), राहुल अग्रवाल (सेल्स एंड मार्केटिंग, ओमैक्स लिमिटेड) समेत उनकी पूरी टीम उपस्थित रही।

मां वैष्णवी महोत्सव पौथु का होगा आयोजन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बारुण प्रखंड स्थित ग्राम पौथु में ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया संजीव द्विवेदी ने किया।जबकि,संचालन की जिम्मेवारी सुरेश विद्यार्थी द्वारा निभाई गई।मुख्य अतिथि के रूप में सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष,जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह की गरिमामई उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं मां वैष्णवी महोत्सव पौथु धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया ।महोत्सव के सफल क्रियान्वयन के लिए एक कमिटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष संजीव कुमार द्विवेदी,उपाध्यक्ष शैलेश सिंह एवं दिलीप तिवारी,सचिव श्याम बिहारी तिवारी,उप सचिव अश्विनी कुमार पांडेय,कोषाध्यक्ष रवि रंजन त्रिवेदी को मनोनीत किया गया। जबकि मीडिया प्रभारी की जिम्मेवारी सुरेश विद्यार्थी को दी गई।अगली बैठक में महोत्सव की तिथि का निर्धारण किया जाएगा। बतौर मुख्य अतिथि संजीव कुमार सिंह ने संबोधन के क्रम में कहा कि बड़ेम और पौथु का संबंध विश्व स्तरीय संत त्रिदंडी स्वामी जी से रहा है।दोनों ही जगह पर त्रिदंडी स्वामी जी महाराज जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ है।यही नहीं विद्या भास्कर वासुदेवाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद हमेशा पौथु के लोगों को हमेशा प्राप्त हुआ है।पौथु का यह मंदिर कौशलेश सदन धर्मदायक ट्रस्ट अयोध्या से संचालित की जाती है। इसके अध्यक्ष विद्या भास्कर जी महाराज है।विदित हो कि औरंगाबाद जिले में महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के सद्प्रयास से सूर्य राघव महोत्सव बड़ेम,छठ घाट महोत्सव,सोननद महोत्सव,धुंधुआ महोत्सव, सत्यचंडी धाम महोत्सव ,दोमुहान महोत्सव, पुनपुन महोत्सव टंडवा को राजकीय दर्जा प्राप्त दिलाने अहम भूमिका निभाई। कल्पवृक्ष धाम महोत्सव एवं अष्टभुजी धाम महोत्सव को भी सरकारीकरण कराने के लिए कृत संकल्पित है।आज के महत्वपूर्ण बैठक में गुप्तेश्वर तिवारी,दिलीप कुमार त्रिवेदी,सुनील कुमार दुबे,श्याम बिहारी तिवारी, बिरला झा, देवमणि तिवारी आदित्य शेखर तिवारी, विदेश्वर तिवारी,दिलीप प्रजापति,विजय तिवारी,राम सिंहासन त्रिवेदी, संजय भगत,राहुल कुमार सिंह, रामाधार तिवारी,आनंद भूषण तिवारी,कृष्णा तिवारी सतीश तिवारी ,टिंकू विश्वकर्मा,सिद्धेश्वर पासवान, लक्ष्मण साहू,कमल तिवारी, राम ध्यान पासवान, उमेश त्रिवेदी,अश्विनी कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

अधिवक्ता इंद्रदेव महतो का हुआ

निधन, अधिवक्ताओं में शोक की लहर

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिज्ञ संघ के वरीय अधिवक्ता इंद्रदेव मेहता बेरिया विश्रामपुर के निधन होने पर जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद में शोक की लहर दौड़ गई, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि आज जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद में एक शोक सभा आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय और संचालन महासचिव जगनरायण सिंह ने किया सभी उपस्थित अधिवक्ताओं ने मौन रखकर उनकी आत्मा के शांति की प्रार्थना किया, मधु भाषी व्यवहार कुशल लगातार 44 साल वकालत में अपनी सेवा दी थी, शोक सभा के बाद अध्यक्ष ने कहा कि आज सभी अधिवक्तागण अपने आप को न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे, वरीय अधिवक्ता इंद्रदेव मेहता के निधन पर व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के प्रधान जिला जज के इजलास में भी एक शोकसभा आयोजित प्रधान जिला जज राजकुमार वन ने किया जिसमें अधिकांश न्यायिक पदाधिकारी और दोनों अधिवक्ता संघों के सदस्य उपस्थित थे अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने से मुवक्किलों के न्यायिक कार्य प्रभावित हुए हैं।

गोह में महागठबंधन का बंद रहा असरदार

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) :- जिले के गोह प्रखंड में इंडिया गठबंधन की ओर से आहूत बिहार बंद गोह प्रखंड में काफी असरदार रहा। सड़क पर वाहन नहीं चले और दुकानें भी बंद रहे। बंद समर्थक बुधवार को सुबह बंद कराने सड़क पर उतरे और चौक को जाम कर दिया। लोग मतदाता पुनरीक्षण का विरोध कर रहे थे तथा बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर विधायक भीम कुमार सिंह, राजद नेता ललन चौरसिया, नंदलाल यादव, मंटू यादव,भोला यादव, ईश्वर दयाल यादव,सीपीआई नेता सुरेश प्रसाद यादव, कांग्रेस नेता संजय सिंह, माले नेता सुरेंद्र गुप्ता, नागेश्वर प्रसाद सिंह सहित कई गठबंधन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इंडिया गठबंधन के द्वारा बिहार बंद ऐतिहासिक सफल- डॉ सुरेश पासवान

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा केवल बिहार में विशेष मतदाता पुणरिक्षण कार्यक्रम के खिलाफ इंडिया गठबंधन के द्वारा बिहार बंद का आह्वान किया गया था।जिसके आलोक में आज बिहार की राजधानी पटना में बिहार बंद को सफल बनाने के लिए पटना आयकर गोलंबर से विधान सभा के सामने शहीद स्मारक तक आक्रोश मार्च किया गया,जिसमें लोक सभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी,बिहार विधान सभा में विपक्ष के नेता श्री तेजस्वी प्रसाद यादव माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य सहित इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं के साथ राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगनी लाल मंडल जी के साथ मार्च में शामिल हुआ ।यह मार्च सिर्फ.ऐतिहासिक ही नहीं हुआ बल्की चुनाव आयोग को अस्पष्ट संकेत दे दिया कि बिहार में कराए जा रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को तुरंत वापस लिया जाए।यह किसी भी कीमत पर ना ही अभी जरूरत है और ना ही व्यवहारिक है। क्योंकि बिहार में अभी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है और बिहार के बाहर लगभग 3 करोड़ मतदाता देश के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में रोजगार हेतु काम पर गए हुए हैं।इतने कम समय में किसी भी कीमत पर उनको आना संभव नहीं है।विधान सभा का चुनाव अगले तीन महीने में निर्धारित है और ऐसे समय में विशेष मतदाता पुनरीक्षण कराना बिल्कुल संभव ही नहीं नामुमकिन है।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में मनाई गई बाबू सत्यानारायण सिन्हा की 125वीं जयंती

संविधान सभा सदस्य, पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्री और लोकसभा नेता के रूप में बाबूजी की ऐतिहासिक भूमिका को किया गया याद

नई दिल्ली,।

देश की लोकतांत्रिक नींव रखने वाले अग्रणी नेता स्वर्गीय बाबू सत्यानारायण सिन्हा की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में एक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन उनके पौत्र, वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता (बिहार व झारखंड) राकेश कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस आयोजन के जरिए एक ऐसे नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिन्होंने न केवल बिहार की राजनीति को दिशा दी, बल्कि स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों की नींव को भी मजबूती प्रदान की। बिहार के एक जमींदार परिवार में जुलाई 1900 में जन्मे सत्यानारायण सिन्हा ने मुजफ्फरपुर जिला स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और पटना विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ने के बाद 1924 में उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की और जल्द ही राजनीति में सक्रिय हो गए। 1926 में वे बिहार विधान परिषद के सदस्य बने और 1934 में केंद्रीय विधान सभा में पहुंचे, जहां कांग्रेस पार्टी के प्रमुख सचेतक के तौर पर कार्य किया। संविधान निर्माण के दौरान वे बिहार से संविधान सभा के सदस्य चुने गए और कांग्रेस विधानसभा दल के मुख्य सचेतक के रूप में अपनी भूमिका निभाई। उस दौर में पार्टी व्हिप जैसी कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं

थी, फिर भी उन्होंने सदन में समन्वय बनाए रखने के लिए तत्कालीन संसाधनों के माध्यम से ज़िम्मेदारी निभाई। स्वतंत्रता के बाद वे लगातार तीन लोकसभाओं के सदस्य रहे और कांग्रेस के प्रमुख सचेतक बने रहे। 1963-64 में उन्होंने सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद 1964 से 1967 तक वे संचार और संसदीय कार्य मंत्री रहे। 1971 में उन्हें मध्य प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने छह वर्षों तक सेवा दी। लोकसभा में वे पहले ऐसे नेता बने जिन्हें प्रधानमंत्री न होते हुए भी सदन का नेता नियुक्त किया गया—जो उनके प्रति संसद के भीतर गहरे सम्मान को दर्शाता है। इस मौके पर राकेश कुमार सिंह ने कहा ह्यबाबूजी का सार्वजनिक जीवन सेवा, सादगी और सिद्धांतों का प्रतीक था। वे लोकतंत्र की भावना में विश्वास रखते थे और हर मुद्दे पर संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया को प्राथमिकता देते थे। आज जब राजनीति में ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, तब उनके विचार और मूल्यों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।ह्नउन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्र भारत की सूचना नीति को आकार देने में बाबूजी की अहम भूमिका रही। देश के पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कायम रखते हुए राष्ट्रीय एकता के विचार को मजबूत किया।बिहार की राजनीति की चर्चा करते हुए राकेश कुमार सिंह ने कहा कि बाबूजी ने हमेशा जनसंपर्क और जनभावनाओं को प्राथमिकता दी। ह्नवे सीधे लोगों से जुड़ते थे, और जनहित को अपनी प्राथमिकता मानते थे।

गरीब आदिवासी को मिला लगभग एक करोड़ का हीरा

एजेंसी

पन्ना। रत्नगर्भा नगरी पन्ना मे आये दिन रंक से राजा बनने में देर नहीं लगती। फिर एक गरीब आदिवासी मजदूर को 11.95 कैरेट का उज्जवल किस्म का हीरा मिला है जिसकी बाजारू अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ आंकी जा रही है। जिला हीरा अधिकारी डॉ. रवि पटेल से हासिल जानकारी के अनुसार हीरा खदान क्षेत्र कृष्णा कल्याणपुर (पटी) में अस्थाई अनुज्ञा पत्र पट्टाधारी एवं हीरापुर टपरियन निवासी माधव आदिवासी को आज 11.95 कैरेट वजन का हीरा प्राप्त हुआ। यह उज्जवल किस्म का है।

इंडियन बैंक ने केंद्र सरकार को 1,616 करोड़ रुपये का लाभांश चेक दिया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1,616 करोड़ रुपये का लाभांश का चेक केंद्र सरकार को दिया। बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनोद कुमार ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को यह चेक सौंपा। बैंक ने जारी एक बयान में कहा कि इंडियन बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति शेयर 16.25 रुपये का लाभांश घोषित किया है, जो इसके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के साथ भारत सरकार समेत सभी पक्षों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने के इसके समर्पण को दर्शाता है। इस अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

वित्त मंत्रालय ने निष्क्रिय जन-धन खातों को बंद करने की ख़बरों को निराधार बताया

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत निष्क्रिय बैंक खातों को बंद करने के लिए बैंकों को कोई भी निर्देश दिए जाने की ख़बरों को निराधार बताया है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने स्पष्ट किया है कि निष्क्रिय खातों को बंद करने के लिए बैंकों को कोई निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। मंत्रालय की ओर से आज यह बयान उन खबरों के बीच आया है, जिनमें दावा किया गया है कि सरकार ने बैंकों से निष्क्रिय जनधन खातों को बंद करने को कहा है। ऐसी रिपोर्टों को गलत बताते हुए डीएफएस ने दोहराया कि ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया गया है। मंत्रालय का कहना है कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना खातों, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को अपनाने के लिए डीएफएस ने 1 जुलाई से पूरे देश में तीन महीने का अभियान शुरू किया है। इस अभियान के दौरान बैंक सभी बकाया खातों का पुनः केवाईसी भी करेंगे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि डीएफएस लगातार निष्क्रिय पीएमजेडीवाई खातों की संख्या पर नजर रखता है। बैंकों को सलाह दी गई है कि वे संबंधित खाताधारकों से संपर्क करके उनके खातों को चालू करें। पीएमजेडीवाई खातों की कुल संख्या लगातार बढ़ रही है और निष्क्रिय खातों को सामूहिक रूप से बंद करने की कोई घटना विभाग के संज्ञान में नहीं आई है।

डॉलर की तुलना में मजबूत हुआ रुपया, 26 पैसे की तेजी के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ ट्रेड डील होने की संभावना, कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और डॉलर की मांग में कमी आने के कारण आज डॉलर की तुलना में रुपया 26 पैसे की मजबूती के साथ 85.68 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 54 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 85.94 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में आज रुपया डॉलर की तुलना में 19 पैसे की बढ़त के साथ 85.75 के स्तर पर खुला था। दिन के कारोबार में रुपया कमजोर होकर 85.80 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गया। हालांकि डॉलर की आवक बढ़ने पर भारतीय मुद्रा मजबूत होकर 85.64 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक भी आई। पूरे दिन के काराबोर के बाद भारतीय मुद्रा 85.68 रुपये (अस्थायी) प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का मानना है कि कच्चे तेल की कीमत में नरमी आने और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के आज स्टॉक मार्केट में बिकवाल की जगह लिवाल की भूमिका में आ जाने के कारण डॉलर की आवक तो बढ़ी ही, लेकिन उसकी मांग भी घट गई। इसके साथ ही अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही टैरिफ को लेकर अंतरिम समझौते का ऐलान होने की संभावना की वजह से रुपये पर बना दबाव आज घटता हुआ नजर आया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 600 रुपये से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये से लेकर 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,000 रुपये से लेकर 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है,

जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बीसीसीएल ने एमडीओ मॉडल के माध्यम से पुरानी कोयला खदान फिर से चालू की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने माइन डेवलपर और ऑपरेटर (एमडीओ) मॉडल के तहत लंबे समय से बंद पीबी प्रोजेक्ट से कोयला उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है। इसके साथ ही बीसीसीएल और पूरे कोल इंडिया इकोसिस्टम के लिए यह पहली चालू एमडीओ खदान बन गई है। कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन पीएम प्रसाद ने वर्चुअल रूप से उपस्थित होकर इस परियोजना की सराहना करते हुए इसे एक अग्रणी कदम बताया और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पी.बी. परियोजना का पुनरुद्धार केवल एक खदान को फिर से चालू करने से कहीं अधिक है। प्रसाद ने कहा कि यह इन विरासत परिसंपत्तियों की चुनौतियों को राष्ट्रीय अवसरों में बदलने, समुदायों को सशक्त बनाने और वास्तव में आत्मनिर्भर भारत की ओर आगे बढ़ने से सम्बंधित है। इस अवसर पर बीसीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक समीरन दत्ता, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रामैया, निदेशक (तकनीकी)

परिचालन एसके सिंह, निदेशक (तकनीकी), परियोजना एवं योजना मनोज कुमार अग्रवाल तथा ईगल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी भी उपस्थित थे। बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता ने कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड और सभी हितधारकों के प्रति उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

स्टॉक मार्केट में क्रीजैक की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद शेयरों को मिला खरीदारी का सपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। एजुकेशन प्लेटफॉर्म क्रीजैक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 245 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 280 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 281.05 रुपये के स्तर पर ही हुई। इस तरह एंट्री के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 14 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। मजबूत लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में और तेजी आ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे ये शेयर 288.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 17.76 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। क्रीजैक का 860 करोड़ रुपये का आईपीओ 2 से 4 जुलाई के बीच

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 62.89 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 141.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 80.07 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 10.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 3,51,02,040 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 112.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 118.90 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 152.93 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 884.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में उतार -चढ़ाव

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में मामूली तेजी का रुख बनता हुआ दिखा?। हालांकि कुछ ही मिनट में बिकवालों ने अपना दबाव बना दिया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.05प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, सिप्ला, अदानी एंटरप्राइजेज और श्रीराम फाइनेंस के शेयर 1.48 प्रतिशत से लेकर 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर

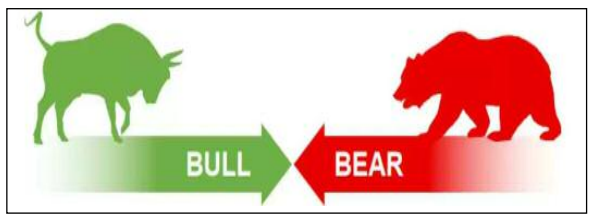

आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो, टाटा स्टील, एचसीएल टेक्नोलॉजी और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर 0.94 प्रतिशत से लेकर 0.77 प्रतिशतकी गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,415 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,4055 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,010 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 19 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 86.62 अंक की कमजोरी के साथ 83,625.89 अंक के स्तर पर खुला।

ट्रेड यूनियनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल से बैंकिंग, डाक और बिजली सेवाएं प्रभावित

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में बुधवार को 10 केंद्रीय श्रम संगठनों (ट्रेड यूनियनों) के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के आह्वान का असर देशभर में देखने को मिल रहा है, जिससे बैंकिंग, डाक, बिजली और सार्वजनिक परिवहन समेत कई अन्य सेवाएं प्रभावित हुई है। हालांकि, देशभर के किसी भी वाणिज्यिक बाजार पर कथित भारत बंद का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। ट्रेड यूनियनों के इन 10 संगठनों के मंच ने दावा किया है कि अन्य मुद्दों के साथ-साथ नई श्रम संहिताओं के विरोध में 25 करोड़ श्रमिकों को आम हड़ताल के लिए लामबंद किया जा रहा है। इस बीच अखिल भारतीय मजदूर संघ कांग्रेस की महासचिव अमरजीत कौर ने एक बयान में बताया कि? बुधवार सुबह देशभर में आम हड़ताल शुरू होने के बाद पश्चिम

बंगाल, केरल, झारखंड, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों से हड़ताल की खबर और तस्वीरें मिली हैं।

अमरजीत कौर ने कहा कि राष्ट्रव्यापी हड़ताल से बैंकिंग, डाक और बिजली सेवाएं प्रभावित हुई हैं। इससे तांबा और कोयला खनन प्रभावित होगा, जबकि कई राज्यों में सार्वजनिक परिवहन पर भी इसका असर पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसान संघ भी अपने-अपने क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

ट्रेड यूनियनों की प्रमुख मांगों में चार श्रम संहिताओं को खत्म करना, ठेकाकरण, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण, न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाकर 26 हजार रुपये प्रति माह करना, इसके साथ ही किसान संगठनों की मांगें शामिल हैं, जिनमें स्वामीनाथन आयोग के सी-2 प्लस 50 फीसदी के फार्मूले के आधार पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों के लिए ऋण माफी शामिल हैं।

सेबी ने राइट वाटर, वीडा क्लिनिकल सहित 4 कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 4 कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए मंजूरी दे दी है। इन कंपनियों के नाम हैं- राइट वाटर सॉल्यूशंस (इंडिया) लिमिटेड, वीडा क्लिनिकल रिसर्च, श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड और सीडवर्क्स इंटरनेशनल लिमिटेड पूंजी बाजार नियामक सेबी ने जारी एक अपडेट में बताया कि वीडा क्लिनिकल रिसर्च, श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र, राइट वाटर सॉल्यूशंस और सीडवर्क्स इंटरनेशनल लिमिटेड को आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से अंतिम अवलोकन प्राप्?त हुआ है। इन चारों कंपनियों ने जनवरी और फरवरी के बीच सेबी के समक्ष प्रारंभिक आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे, जि?हें 3-4 जुलाई के दौरान विनियामक की टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं। सेबी की भाषा में उसकी टिप्पणियां प्राप्त करने का मतलब है सार्वजनिक निर्गम जारी करने की मंजूरी मिल गई है।नागपुर स्थित क्लीन-टेक प्लेयर राइट वाटर सॉल्यूशंस (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 745 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) 10 फरवरी, 2025 को दाखिल किया था। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 2 रुपये अंकित मूल्य वाले आईपीओ में प्रमोटर और निवेशक विक्रय शेयरधारकों द्वारा 445 करोड़ रुपये तक की बिक्री की पेशकश के साथ 300 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू शामिल है। यह कंपनी जल प्रबंधन, सौर कृषि और आईओटी-सक्षम प्रणालियों में समाधान और सेवाओं की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है।

पूर्वोत्तर में वाटर कनेक्टिविटी पर जोर, सोनोवाल ने की 5,000 करोड़ के निवेश की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पूर्वोत्तर हिस्से में जलमार्ग और समुद्री संपर्क को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुवाहाटी में आयोजित 11 साल की सेवा कार्यक्रम में कई घोषणाएं कीं। इनका उद्देश्य पूर्वोत्तर की आर्थिक और रणनीतिक क्षमताओं को पूर्ण रूप से सामने लाना है। यह जानकारी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में दी। सोनोवाल ने बताया कि पूर्वोत्तर में जलमार्गों के विकास के लिए 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसके अलावा आने वाले दशक में समुद्री व्यापार के क्षेत्र में 50,000 युवाओं को प्रशिक्षित करने की योजना है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। कलादान मल्टी-

मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट को वर्ष 2027 तक पूरी तरह चालू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नौवहन सहायता को मजबूत करने के लिए पांडु, तेजपुर, बिस्वनाथ और बोगीबील में लाइटहाउस स्थापित करने की योजना है, जबकि मौसम की सटीक जानकारी देने के लिए भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) केंद्रों की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही 85 सामुदायिक जेटी ग्रामीण व्यापार और आवागमन को सुगम बनाने में मदद करेंगी। नदी परिवहन को सालभर सुचारु बनाए रखने के लिए सरकार 10 एम्फीबियन और कटर सेक्शन ड्रेजर खरीदने के लिए 610 करोड़ रुपये निवेश करेगी। वहीं गुवाहाटी, तेजपुर और डिब्रूगढ़ में जल मेट्रो प्रोजेक्ट की योजना भी बनाई गई है, जिसका व्यवहार्यता अध्ययन पहले ही पूरा हो चुका है। राष्ट्रीय जलमार्ग-2 और जलमार्ग-16 पर 2025 तक एक वैश्विक लॉजिस्टिक कंपनी द्वारा 100 बार्ज संचालित करने की योजना भी घोषित की गई है। साथ ही सिलघाट, नेमाटी, बिस्वनाथ घाट और गुइजान में पर्यटन और कार्गो जेटी के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

पश्चिम बंगाल में दुर्गापूजा के बाद फिर होगा औद्योगिक सम्मेलन, राज्य सरकार ने की घोषणा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में औद्योगिक विकास को गति देने की दिशा में पश्चिम बंगाल सरकार एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रमुख आर्थिक सलाहकार अमित मित्रा ने घोषणा की कि दुर्गापूजा के बाद राज्य में एक नया औद्योगिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। अमित मित्रा ने बताया कि बीते तीन महीनों में राज्य स्तरीय 'सिनर्जी समिति' की बैठकों में कुल 3165 औद्योगिक परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई है। इनमें रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन सहित कई क्षेत्रों की योजनाएं शामिल हैं। हालांकि अब तक इन परियोजनाओं में संभावित कुल निवेश का आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन संख्या के लिहाज से इसे उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है।

मित्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उन परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है जिनमें विकास की संभावना अधिक हो, रोजगार का सृजन हो सके, निर्यात को बढ़ावा मिले और राज्य की भौगोलिक या प्राकृतिक विशेषताएं उपयोगी साबित हों। राज्य सरकार ने कुछ खास उद्योगों को विकास का आधार मानते हुए उन्हें प्राथमिकता दी है। इनमें इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, झींगा निर्यात, मत्स्य एवं पोल्ट्री उत्पादन, धार्मिक व सांस्कृतिक पर्यटन, आभूषण, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वस्त्र, चिकित्सा उपकरण एवं औषधि क्षेत्र शामिल हैं।

अमित मित्रा ने बताया कि वर्तमान में राज्य सालाना 70 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के चमड़ा उत्पाद और 2.05 करोड़ डॉलर मूल्य के चिकित्सा उपकरण और औषधियों का निर्यात करता है। यह आंकड़े राज्य के निर्यात क्षेत्र की संभावनाओं को दर्शाते हैं। सम्मेलन की घोषणा ऐसे समय में की गई है जब 2026 में राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सम्मेलन न सिर्फ औद्योगिक विकास को गति देगा बल्कि निवेशकों के बीच सकारात्मक संदेश भी पहुंचाएगा। नवान्न को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में चल रहा यह औद्योगीकरण का प्रयास राज्य की आर्थिक बुनियाद को और मजबूत करेगा।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर बढ़ी बात, कभी भी हो सकता है अंतरिम समझौते का ऐलान

नई दिल्ली। भारत की अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत आखिरी दौर में पहुंच गई है। अब जल्दी ही टैरिफ को लेकर अंतरिम समझौते का ऐलान हो सकता है। बताया जा रहा है कि दोनों देशों के बीच अंतरिम समझौते का मसौदा भी साझा किया जा चुका है और इस मसौदे पर परस्पर सहमति भी बन चुकी है।वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव स्तर के एक अधिकारी ने इस संबंध में बताया कि इस समझौते के तहत भारत के टेक्सटाइल, लेदर और जेम्स एंड ज्वेलरी प्रोडक्ट्स पर छूट मिलने की बात तय की गई है। इसके साथ ही इस समझौते से एग्री फूड प्रोसेसिंग सेक्टर से जुड़े ज्यादातर प्रोडक्ट्स बाहर हो सकते हैं। इसी तरह अमेरिका के कई औद्योगिक उत्पादों पर भी भारत इंपोर्ट ड्यूटी को जीरो लेवल पर ला सकता है। बताया जा रहा है कि टैरिफ को लेकर होने वाले इस अंतरिम समझौते के तहत भारत और अमेरिका की तरफ से साझा बयान जारी किया जा सकता है। पहले इस बात का अनुमान था कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस तरह सोमवार रात 14 देशों के नाम एकतरफा तरीके से नई टैरिफ व्यवस्था को लेकर चिट्ठी जारी की थी, उसी तरह भारत के साथ भी ट्रेड डील को लेकर एकतरफा समझौते का ऐलान किया जा सकता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट जमा किया, स्टॉक मार्केट में उतरने वाली ग्रुप की 5वीं कंपनी बनेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल कर दिया है। इस आईपीओ के तहत 1.76 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे जाएंगे। आईपीओ के तहत कोई नया शेयर नहीं जारी किया जाएगा, बल्कि मौजूदा शेयर होल्डर्स ही अपनी हिस्सेदारी को कम करेंगे। इस आईपीओ के लिए रिकॉर्ड 18 मर्चेंट बैंकर्स को नियुक्त किया गया है। इन मर्चेंट बैंकर्स में मॉर्गन स्टेनली इंडिया, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केटस इंडिया, नोमूरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया), कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई कैपिटल मार्केट और गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज के नाम शामिल हैं। इंडियन आईपीओ मार्केट में इसके पहले कभी भी इतनी बड़ी संख्या में मर्चेंट बैंकर्स ने एक आईपीओ को मैनेज करने का काम नहीं किया है। मर्चेंट बैंकर्स की ये संख्या इंडियन आईपीओ मार्केट के लिए एक नया रिकॉर्ड है। उल्लेखनीय है कि इस आईपीओ की लॉन्चिंग और लिस्टिंग के बाद स्टॉक मार्केट में कारोबार करने

वाली ये आईसीआईसीआई ग्रुप की पांचवी कंपनी बन जाएगी। इसके पहले आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी स्टॉक मार्केट में लिस्ट हो चुकी हैं। इसी तरह लिस्टिंग के बाद ये स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली छठी ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) होगी। इसके पहले यूटीआई एएमसी, एचडीएफसी एएमसी, श्रीराम एएमसी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एएमसी पहले से ही स्टॉक मार्केट में लिस्टेड हैं कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार आईसीआईसीआई बैंक और लंदन की प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स के बीच 51:49 की हिस्सेदारी के साथ 1998 से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी कारोबार कर रही है। एवरेज क्वार्टरली असेट्स अंडर मैनेजमेंट (एक्यूएयूएम) के हिसाब से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी देश की दूसरी सबसे बड़ी एमसी है। कंपनी के दावे के मुताबिक इसकी मार्केट हिस्सेदारी 13 प्रतिशत है, जबकि इसके ग्राहकों की संख्या 1.46 करोड़ हो चुकी है। दावा किया गया है कि कंपनी की वित्तीय स्थिति भी लगातार मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा वार्षिक आधार पर 29.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2,650.70 करोड़ रुपये था। इस अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 38.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4,682.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

साई पल्लवी

और आमिर खान के बेटे जुनैद की फिल्म के नाम का ऐलान, रिलीज डेट का भी हुआ खुलासा

बॉलीवुड में 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' के नाम से मशहूर आमिर खान की तरह उनकी बेटी आयरा खान ने एक्टिंग में करियर नहीं बनाया. हालांकि उनके बेटे जुनैद खान ने पिता की तरह ही अभिनय की राह चुनी और ओटीटी के जरिए एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था. जुनैद खान का एक्टिंग डेब्यू ओटीटी पर आई फिल्म 'महाराज' से हुआ था. फिर उन्हें 'लवयापा' में देखा गया. जबकि अब उनकी एक और फिल्म का ऐलान हो चुका है.हाल ही में आमिर के बेटे की नई फिल्म की जानकारी सामने आई है. खास बात ये है कि इसमें जुनैद, सुपरस्टार रणबीर कपूर की हीरोइन के साथ इश्क लड़ाते हुए नजर आने वाले हैं. जुनैद की अगली फिल्म साउथ की मशहूर एक्ट्रेस साई पल्लवी के साथ होगी. आइए जानते हैं कि आखिर साई और जुनैद किस फिल्म में साथ दिखने वाले हैं और ये सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी ?

'एक दिन' में नजर आएंगे साई-जुनैद

फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने अपने एक्स हैंडल से जुनैद और साई को लेकर एक बड़ी खुशखबरी शेयर की है. उन्होंने दोनों की तस्वीरें शेयर करते हुए बताया है कि जुनैद और साई 'एक दिन' नाम की फिल्म में नजर आएंगे. दोनों इसके जरिए पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं.

कब रिलीज होगी फिल्म ?

तरण आदर्श ने एक दिन की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है. ये पिक्चर इसी साल 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी. बेटे की इस पिक्चर के लिए आमिर खान ने भी अहम भूमिका निभाई है. दरअसल इसे आमिर और फिल्ममेकर मंसूर खान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है. जबकि एक दिन के डायरेक्टर हैं सुनील पांडे.

'रामायण' से पहले होगा साई का बॉलीवुड डेब्यू

साई पल्लवी साउथ फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं. बीते लंबे समय से चर्चा थी कि वो रणबीर कपूर की फिल्म रामायण' के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं, हालांकि अब उनका बॉलीवुड डेब्यू 'एक दिन' से होगा. क्योंकि एक दिन, रामायण से ठीक एक साल पहले रिलीज होगी. रामायण में साई माता सीता के किरदार में नजर आएंगी, जबकि रणबीर कपूर भगवान श्री राम की भूमिका में हैं. हाल ही में इसकी पहली झलक मेकर्स ने जारी की थी.

प्रियंका चोपड़ा

की बेटी मालती की बेस्टफ्रेंड कौन? जिसके मामा ने 'देसी गर्ल' को 21 साल पहले कहा था- मुझसे शादी करोगी

'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा की एस.एस राजामौली की फिल्म में एंट्री हो गई है. स्स्स्क्क29 में वो महेश बाबू के अपोजिट नजर आएंगी. फिल्म का थोड़ा काम पूरा हो चुका है. वहीं जल्द एक और शेड्यूल भी शुरू होने वाला है. इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया. इस क्यूट से वीडियो में उनकी बेटी मालती एक बच्ची का हाथ पकड़कर घूमती दिख रही हैं. उन्होंने कैप्शन में लिखा- हमारी बेटियां बेस्टफ्रेंड हैं. कौन हैं ये बच्ची, जिसके मामा ने प्रियंका को कहा था- मुझसे शादी करोगी ?दरअसल प्रियंका चोपड़ा विदेश जाकर बस गई हैं. हालांकि, काम के सिलसिले में वो भारत आती रहती हैं. साथ ही मुंबई में उनका परिवार भी है, तो वो पति निक और बेटी मालती के साथ आती हैं. इसी बीच मालती जिस बच्ची का हाथ पकड़कर घूम रही हैं, वो अर्पिता खान की बेटी हैं.

मालती की बेस्टफ्रेंड कौन है ?

हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने अपनी पुरानी दोस्त और सलमान खान की बहन अर्पिता खान से मुलाकात की. जहां दोनों की बेटियां मालती और आयत साथ नजर आईं. वीडियो में मालती मैरी जोनस और आयत ने हाथ पकड़ा हुआ था. दोनों बात करती हुई चल रही हैं. प्रियंका ने अपनी दोस्त के लिए लिखा- तुमसे मिलकर अर्पिता अच्छा लगा. हमारी बेटियां बेस्टफ्रेंड्स हैं. हालांकि, इस स्टोरी को अर्पिता खान ने भी री शेयर किया है. वो रिप्लाई करती हैं- हमेशा ही तुमसे मिलना अच्छा लगता है, प्रियंका इस बार मालती के साथ वक्त बिताकर मजा आया.

दरअसल प्रियंका और अर्पिता खान पुराने दोस्त हैं. अर्पिता के बेटे आहिल के जन्म के वक्त भी वो उनसे आकर मिली थीं. साथ ही उनके बेटे के साथ टाइम भी स्पेंड किया था. हालांकि, अर्पिता और प्रियंका अक्सर मिलते रहते हैं. जब विदेश जाती हैं, तो भी प्रियंका के पास जाती हैं. वीडियो में दिख रही बच्ची सलमान खान की भांजी आयत है. जिसका जन्म 27 दिसंबर 2019 को हुआ था. इसी दिन उनके मामा का बर्थडे भी आता है. वहीं मालती साल 2022 में पैदा हुई हैं.

प्रियंका को क्या कहा था ?

प्रियंका और सलमान खान साथ में काम कर चुके हैं. साल 2004 में दोनों की फिल्म 'मुझसे शादी करोगी' आई थी. जिसमें प्रियंका के अलावा अक्षय कुमार और सलमान खान होते हैं. इस पिक्चर के गाने काफी हिट हुए थे. दोनों एक्टर प्रियंका के पीछे घूमते हैं और उनसे कहते हैं कि- मुझसे शादी करोगी. यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी. हालांकि, सलमान खान और प्रियंका के बीच झगड़े की खबरें भी हैं. जब उन्होंने अचानक 'भारत' छोड़ दी थी.

सोए हुए पंडित को जगाया, रेखा ने इस शख्स से रात साढ़े 10 बजे मंदिर में की थी शादी

आज बात बॉलीवुड की एक ऐसी अदाकारा की जो गुजरे दौर में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हुआ करती थीं. 70 से लेकर 90 के दशक तक फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने खूब नाम कमाया था. अपनी बेहतरीन एक्टिंग के अलावा वो डांस में भी काफी शानदार रहीं. जबकि अपनी खूबसूरती से भी सुर्खियां बटोरी. हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस रेखा की.रेखा किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. बॉलीवुड में सालों तक उन्होंने काम किया और सालों तक राज किया. चाहे वो लंबे वक्त से रुपहले पर्दे से दूर हों. लेकिन, रेखा एक ऐसी शख्सियत है जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता. उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से सुर्खियां बटोरने का भी कोई मौका नहीं छोड़ा. उनके कई अफेयर रहे. शादी भी की. हालांकि शादी नाकाम रही. आज हम आपको एक्ट्रेस की शादी से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुना रहे हैं. उन्होंने सोए हुए पंडित जी को जगाकर मंदिर में शादी की थी.

मुकेश अग्रवाल से की थी शादी

रेखा का नाम कभी हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ खूब सुर्खियों में रहा. बाद में दोनों अलग हो गए थे. कथित तौर पर उन्होंने दिवंगत अभिनेता विनोद मेहरा से शादी की थी. लेकिन, ये रिश्ता भी नहीं चल पाया. वहीं बाद में एक्ट्रेस ने दिवंगत बिजनेसमैन मुकेश अग्रवाल संग 1990 में शादी रचाई थी.

रात के साढ़े 10 बजे हुई शादी

पत्रकार और लेखक यासिर उस्मान की लिखी किताब 'रेखा- द अनटोल्ड स्टोरी' में रेखा की जिंदगी के कई दिलचस्प किस्से हैं. इसमें उनकी पर्सनल लाइफ का भी जिक्र किया गया है और उनकी मुकेश अग्रवाल के साथ हुई शादी का किस्सा भी है. इस किताब के मुताबिक 4 मार्च, 1990 को रेखा ने मुकेश से शादी की थी.

दोनों शादी के लिए मुंबई के मुक्तेश्वर देवालय पहुंचे थे. हालांकि तब काफी रात हो चुकी थी. बताया जाता है कि तब तक मंदिर के पुजारी संजय बोडस सो चुके थे. लेकिन, मुकेश ने पंडित जी को जगाया और बताया कि वो शादी करने के लिए आए हैं. पुजारी रेखा को देखते ही हैरान रह गए.

वैसे तो अक्सर ही रेखा उस मंदिर में जाती थीं, लेकिन इतनी रात को उन्हें शादी के लिए वहां देखकर पुजारी अवाक रह गए. इसके बाद उन्होंने रेखा और मुकेश की शादी कराई जो कि रात के साढ़े दस बजे हुई थी. लेकिन, शादी के कुछ महीनों बाद ही 1990 में ही मुकेश ने सुसाइड कर लिया था.

जब अभिषेक ने खुद को समझा इंडिया का नंबर 1 सुपरस्टार, अमिताभ को देखते ही उतर गया स्टारडम का नशा

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता अभिषेक बच्चन अपने पिता अमिताभ बच्चन और मां जया बच्चन की तरह हिंदी सिनेमा में नाम नहीं कमा पाए हैं. हालांकि फिर भी कई दफा उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया है. उनका करियर ज्यादा शानदार नहीं रहा, लेकिन कई मौकों पर उन्होंने अपनी एक्टिंग से खुद को साबित किया है. अभिषेक के खाते में कुछ हिट फिल्में आई हैं, जिनमें धूम भी शामिल है.

धूम बहुत बड़ी हिट साबित हुई थी और इसकी सफलता से अभिषेक बच्चन को लोकप्रियता मिल गई थी. इसकी सक्सेस के चलते अभिषेक खुद को स्टार मानने लगे थे और उनके सिर पर स्टारडम का नशा चढ़ गया था. हालांकि फिर कुछ ऐसा हुआ कि पिता को देखते ही अभिषेक का सारा नशा उतर गया था. आइए आपको बताते हैं कि आखिर बिग बी के सामने कैसे जूनियर बच्चन की घिग्घी बंध गई थी ?

धूम की सक्सेस में रात भर की पार्टी

अभिषेक ने साल 2000 में आई फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपना करियर शुरू किया था. धूम साल 2004 में रिलीज हुई थी. बॉक्स ऑफिस पर इसने जबरदस्त सफलता हासिल की थी. इसका हिस्सा जॉन अब्राहम, उदय चोपड़ा, रिमी सेन और ईशा देओल जैसे कलाकार भी थे. अभिषेक ने कॉमेडियन कपिल शर्मा के कॉमेडी शो पर बताया था, मेरी एक फिल्म बनी थी धूम और वो बहुत चली थी. सबने कहा था ये आपकी पहली हिट फिल्म है. तो उस फिम के जो प्रोड्यूसर थे आदित्य चोपड़ा, उन्होंने हमारे घर के बगल में एक होटल है वहां सक्सेस पार्टी रखी थी. तो पार्टी में बहुत अच्छा लग रहा था कि हमने भी करके दिखा दिया है और सारी रात पार्टी करके सुबह में घर पहुंचा.

अमिताभ को देखकर उतर गया स्टारडम का नशा

अभिषेक ने आगे कहा था, जब तक मैं घर पहुंचा तो मुझे लगा कि भारत का नंबर 1 सुपरस्टार आ गया है. मुझे इतना अच्छा लग रहा था मैंने छाती बाहर निकालकर दरवाजे का बेल दबाया. मेरे डैड ने दरवाजा खोला. जैसे ही दरवाजा खोला वो तब अपने नाइट गाउन में थे और चश्मा लगा रखा था. हाथ में अखबार था. उन्होंने कहा बेटा आ गए. तो मैंने देखा फिर एहसास हुआ कि ये तो अमिताभ बच्चन है.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर–1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

“ जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–साफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगना ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042